दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 223/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 28 मार्च 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

इंद्रधनुष पायलट लॉयड जे. फेरारो द्वारा 30,000 फीट की ऊंचाई पर खींची गई पूर्ण इंद्रधनुष की एक बहुत ही दुर्लभ तस्वीर। इंद्रधनुष वास्तव में पूर्ण वृत्त होते हैं लेकिन हम जमीन से केवल आधा (या उससे कम) चाप देखते हैं। एंटीसोलर पॉइंट सर्कल का केंद्र है। एक प्रेक्षक के दृष्टिकोण से सूर्य के ठीक विपरीत खगोलीय गोले पर एक सार बिंदु है।

मैं वोट के लिए मक्खन नहीं लगाता, काम पसंद आए तो ही वोट देना!

नागपुर। केंद्रीय राष्ट्रीय राजमार्ग और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का राजनीति का अपना अलग ही अंदाज है। वे थोथी घोषणाएं करने और आश्वासन देने में विश्वास नहीं रखते। वे काम करने में विश्वास रखते हैं और दावे से बोलते हैं कि मेरा काम पसंद आए तो मुझे वोट देना। क्योंकि, मैं वोट के लिए मक्खन लगाने में विश्वास नहीं करता।

नितिन गडकरी ने साफ कहा कि अगर लोगों को उनका काम पसंद आए तो वोट दें, नहीं तो मत दें। सोमवार को वे नागपुर में डॉ मोहन धारिया राष्ट्र निर्माण पुरस्कार समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि वे वोट के लिए मक्खन नहीं लगाते। गडकरी ने कहा कि मैं देश में जैव ईंधन और वाटरशेड संरक्षण सहित कई प्रयोग कर रहा हूं। अगर लोग इन्हें पसंद करते हैं, तो ठीक है, नहीं तो मुझे वोट मत दें। मैं पॉपुलर पॉलिटिक्स के लिए ज्यादा मक्खन लगाने को तैयार नहीं हूं। गडकरी ने कहा कि जल संरक्षण, जलवायु परिवर्तन और बंजर भूमि के सही इस्तेमाल जैसे क्षेत्रों में प्रयोग की काफी गुंजाइश है। हमारी ओर से इसे लेकर बड़ी लगन से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे इससे प्यार भी है। भाजपा नेता ने कहा कि भविष्य में हमें इस क्षेत्र में और अधिक मेहनत करनी होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि यह न केवल भारत की अर्थव्यवस्था बल्कि ग्रामीण इलाकों की सूरत भी बदल सकता है। हमने देश भर में इस तरह के कई प्रयोग शुरू किए हैं। अगर लोगों को यह पसंद आया, तो वे मुझे वोट देंगे, नहीं तो वे मुझे खारिज भी कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि राजनीति पैसे कमाने का धंधा नहीं है। राजनीति का अर्थ सामाजिक कार्य, राष्ट्रीय मुद्दों को हल करना और विकास से जुड़े कार्य करना भी है। सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन ही राजनीति का मुख्य लक्ष्य है। गडकरी ने कहा कि सतत विकास आधुनिक दुनिया में सफलता की मुख्य कुंजी है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के बिना विकास टिकने वाला नहीं है। मॉर्डन वर्ल्ड में विकास भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में अर्थव्यवस्था के विकास के लिए बांस के इस्तेलमाल पर भी जोर दिया।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जनजातीय क्रांतिवीरों पर केंद्रित पुस्तक जनजातीय योद्धा का मुख्यमंत्री निवास कार्यालय भवन समत्व में विमोचन किया।

किसानों के ऋण चुकाने की अवधि अब 30 अप्रैल तक

60 करोड़ का अतिरिक्त ब्याज सरकार भरेगी: शिवराज

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि किसानों द्वारा खरीफ फसल का ऋण चुकाने की समय सीमा 28 मार्च से बढ़ाकर 30 अप्रैल की जा रही है। यह निर्णय किसानों के आग्रह पर लिया गया है। समय सीमा में वृद्धि से 60 करोड़ का अतिरिक्त ब्याज आएगा, जिसका भुगतान राज्य शासन द्वारा किया जाएगा। वे आज केबिनेट की बैठक के पूर्व मंत्रियों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने मंत्री गण को अपने-अपने प्रभार के जिलों में गेहूं खरीदी व्यवस्था की मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्री परिषद की बैठक मंत्रालय में वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुई।

तीन नई तहसीलों का गठन, श्योपुर की सिंचाई परियोजना मंजूर

केबिनेट की बैठक की जानकारी देते हुए गृहमंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि केबिनेट में निर्णय लिया गया है कि लाडली बहना योजना के फार्म भरने का कार्य 30 अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएगा। खंडवा में छैगांव-माखन, सिंगरौली में बरगवां, आगर मालवा में सोयतकला को नई तहसील बनाने का निर्णय लिया गया है, इन तहसीलों में नवीन पदों के सृजन को कैबिनेट में स्वीकृति दी गई। श्योपुर के लिए 539 करोड़ की सिंचाई परियोजना स्वीकृत की गई है, इससे 15000 हेक्टेयर में सिंचाई होगी। इसके अलावा एक नवीन पावर प्लांट की स्वीकृति दी गई है। यह भी निर्णय लिया गया है कि प्रदेश के किसानों के बेटों को ड्रोन से प्रशिक्षित किया जाएगा

उमेश पाल किडनैपिंग केस
अतीक दोषी करार

प्रयागराज। 17 साल पुराने उमेश पाल अपहरण केस में प्रयागराज की एमपी-एमएलए कोर्ट ने माफिया अतीक अहमद को दोषी करार दिया है। आईपीसी धारा 364 ए के तहत दोषी ठहराया गया है। इसमें सामान्य कैद से लेकर आजीवन कारावास और फांसी की सजा तक हो सकती है। थोड़ी देर में सजा सुनाई जा सकती है।

जब कोर्ट में अतीक को ले जाया गया, कोर्ट परिसर में वकीलों ने लगाए फांसी दो फांसी के नारे। इससे पहले नैनी सेंट्रल जेल से अतीक को बंद वैन में कोर्ट लाया गया था। इसमें सीसीटीवी कैमरे और पर्दे लगे थे। कोर्ट तक 10 किमी की दूरी 28 मिनट में तय हुई। उमेश पाल अपहरण केस में बाहुबली अतीक अहमद, उसका भाई अशरफ समेत 11 लोग आरोपी थे, इसमें एक की मौत हो चुकी है। अतीक को सोमवार शाम को अहमदाबाद की साबरमती जेल से और उसके भाई अशरफ को बरेली जेल से प्रयागराज लाया गया था। दोनों को नैनी सेंट्रल जेल में हाई सिक्योरिटी बैरक में रखा गया।

फैसले से पहले अतीक को सुप्रीम कोर्ट से झटका, सुरक्षा की मांग की थी

इस बीच, उमेश पाल मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट ने अतीक अहमद की सुरक्षा देने की अपील खारिज कर दी है। अतीक ने याचिका में कहा था कि जब तक वो उत्तर प्रदेश पुलिस की कस्टडी में है, उसे सुरक्षा दी जाए। अतीक ने कहा था कि वह यूपी की जेल में शिफ्ट नहीं होना चाहता। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने अतीक के वकील से कहा कि अपनी शिकायत लेकर हाईकोर्ट जाइए।

छत्तीसगढ़ में एक बार फिर ईडी के छापे

विधायक और बड़े उद्योगपति समेत कई अन्य लोगों के ठिकानों पर दबिश

रायपुर। आज अलसुबह छत्तीसगढ़ में फिर इनफ़ोर्समेंट डाइरेक्टरेट ने रायपुर, बिलासपुर, भिलाई और रायगढ़ समेत कई शहरों में छापेमारी की। राज्य के आईपीएस दीपांशु काबरा और विधायक समेत बड़े उद्योग समूह के ठिकानों पर भी ईडी की टीम पहुंची। सारडा के मालिक कमल सारडा, महासमुंद विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर के ठिकानों पर छापे मारे गए।

इसके अलावा भिलाई, बिलासपुर व रायगढ़ में भी छापेमारी सूचना है। लोहा नगरी भिलाई में सेक्टर-9 में प्रशासनिक अधिकारियों के निवास पर भी टीम ने दबिश दी। जानकारी के मुताबिक ईडी की एक टीम ने जनसम्पर्क/परिवहन विभाग आयुक्त आईपीएस दीपांशु काबरा के भिलाई सेक्टर 9 एवं रायपुर निवास पर दबिश दी है। इधर रायगढ़ जिले में ईडी के अधिकारियों के द्वारा उधोगपति योगेश सिंघल और जमीन कारोबारी आलोक रतेरिया के यहां भी कार्रवाई की।

रायपुर में मंदिर हसौद के पास ग्राम बहनाकाड़ी के जमीन दलाल सुरेश बांदे और वीआईपी करिश्मा अपार्टमेंट में एक सीए के यहां भी श्रष्ठ ने छापा मारा। सभी जगहों पर ईडी के अधिकारी दस्तावेज खंगाल रहे हैं। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल, उद्योगपति कमल सारडा, आईपीएस दीपांशु काबरा सहित कई बड़े कारोबारियों के यह छापे पड़े हैं। ट्रांसपोर्ट और कोल से जुड़े कारोबारी अनूप बंसल, योगेश सिंघल के यह भी टीम पहुंची।

लोकसभा-राज्यसभा 2 बजे तक स्थगित, खड़गे बोले-
राहुल के लिए मैं अपना बंगला खाली कर दूंगा, वे चाहे तो मेरे पास आ जाएं

नई दिल्ली। मंगलवार को संसद की कार्यवाही का 11वां दिन है, लेकिन लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होते ही 2 बजे तक के लिए स्थगित हो गई। लोकसभा में विपक्षी सांसदों ने स्पीकर पर कागज के टुकड़े फेंके। जिसके बाद सदन को 2 बजे तक स्थगित कर दिया गया।

राज्यसभा में भी सभापति जगदीप धनखड़ ने विपक्षी सांसदों की नारेबाजी के चलते सदन को 2 बजे तक स्थगित कर दिया। पिछले 10 दिनों के दौरान संसद में कामकाज न के बराबर हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक संसद का मौजूदा बजट सत्र का दूसरा चरण 6 अप्रैल से पहले एक-दो दिन में खत्म हो सकता है।

लोकसभा सचिवालय के राहुल गांधी को बंगला खाली करने के नोटिस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, सरकार राहुल गांधी को कमजोर करने की हर संभव कोशिश करेगी। अगर वे बंगला खाली करते हैं तो अपनी मां के साथ या मेरे पास आ सकते हैं। मैं एक बंगला खाली कर दूंगा।

कांग्रेस का ब्लैक प्रोटेस्ट आज भी जारी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के ऑफिस में एक बार फिर विपक्ष के सांसदों की सुबह 10.30 बजे से बैठक चल रही है। आज की बैठक में भी अडाणी मामले पर जेपीसी की मांग और राहुल गांधी की सदस्यता रद्द करने के मुद्दे पर सरकार को घेरने की रणनीति पर चर्चा हो रही है। हालांकि इस बैठक से शिवसेना उद्धव गुट और ममता बनर्जी की पार्टी नदारद रही। कांग्रेस आज शाम लाल किले से दिल्ली के टाउन हॉल तक मशाल मार्च निकालेगी, जिसमें सभी कांग्रेसी हिस्सा लेंगे। सोमवार रात कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे के घर हुई 18 विपक्षी दलों के नेताओं ने बैठक में आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार लोकतंत्र को नष्ट कर रही है। उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ अपने ब्लैक प्रोटेस्ट को मंगलवार को भी जारी रखने का भी फैसला किया।

भाजपा संसदीय बैठक: पीएम मोदी बोले- स्ट्रॉन्ग फाइट के लिए तैयार रहें

भाजपा ने सदन शुरू होने के डेढ़ घंटे पहले संसदीय समिति की बैठक की। जिसमें सबसे पहले पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सभी सांसदों और मंत्रियों की मौजूदगी में पूर्वोत्तर में मिली जीत के बाद प्रधानमंत्री का सम्मान किया। मीटिंग में पीएम मोदी ने पार्टी नेताओं से स्ट्रॉन्ग फाइट के लिए तैयार रहने कहा। मोदी बोले- जैसे-जैसे पार्टी आगे बढ़ेगी, विपक्ष के हमले तेज होते रहेंगे। इस बैठक के दौरान 6 अप्रैल को भाजपा के स्थापना दिवस को लेकर भी प्लानिंग हुई। भाजपा अगले महीने 6 अप्रैल से 14 अप्रैल यानी बीआर अंबेडकर की जयंती तक सोशल जस्टिस वीक मनाएगी।

अमृतपाल के विदेश भागने का शक

अमृतसर। वारिस-पंजाब दे के चीफ व खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह को नेपाल ने अपनी सर्विलांस लिस्ट में रख लिया है। पंजाब पुलिस उसे 11वें दिन भी ढूंढ रही है, लेकिन वह पुलिस की पकड़ में नहीं आ रहा है। हाल ही में उसके नेपाल में होने की जानकारी सामने आई थी, जिसके बाद भारत सरकार ने नेपाल सरकार को इस बारे में अलर्ट किया था। भारत सरकार ने नेपाल सरकार से अपील की थी कि उसे तीसरे मुल्क भागने न दिया जाए और अगर वह नकली पासपोर्ट की मदद से भागने की कोशिश करता है तो उसे गिरफ्तार कर लिया जाए। इस रिक्वेस्ट के बाद नेपाल के डिपार्टमेंट ऑफ इमिग्रेशन ने अमृतपाल को सर्विलांस पर रख लिया है। सूचना अधिकारी कमल प्रसाद पांडे ने कहा- हमें (भारतीय) दूतावास से पासपोर्ट की एक प्रति के साथ एक लिखित नोट मिला है। जिसमें संदेह है कि अमृतपाल सिंह ने नेपाल में प्रवेश किया हो सकता है। नेपाल के एयरपोर्ट और होटलों में भी उसकी तस्वीरें भेजकर अलर्ट किया गया है।

कोरोना के मामलों में तेजी: 24 घंटे में 1573 संक्रमित

नई दिल्ली। देश में एक बार फिर से कोरोना के मामलों में तेजी देखने को मिली है। संक्रमण का दर भी लगातार बढ़ रहा है। आंकड़े बताते हैं कि देश में दो हफ्ते के अंदर 32 जिलों में पॉजिटिविटी रेट 10 प्रतिशत या इससे अधिक हो गया। वहीं, 63 ऐसे जिले हैं, जहां पॉजिटिविटी रेट पांच से दस प्रतिशत के बीच है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से मंगलवार जारी आंकड़ों के अनुसार भारत में कोरोनावायरस के 1,573 नए मामले सामने आए हैं, जबकि सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 10,981 हो गई है। केरल में संक्रमण के चलते चार लोगों की मौत हो गई। इसी के साथ कोरोना से मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,30,841 हो गई है।

देश में इस वक्त डेली पॉजिटिविटी रेट 1.30 प्रतिशत है। मतलब जितने लोग कोरोना की जांच करा रहे हैं, उनमें 1.30 प्रतिशत लोग संक्रमित पाए जा रहे हैं। वीकली पॉजिटिविटी रेट की बात करें तो ये 1.47 प्रतिशत दर्ज की गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में अब तक चार करोड़ 47 लाख 07 हजार 525 लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 0.02 प्रतिशत मामले एक्टिव हैं, जबकि 98.79 प्रतिशत लोग ठीक हो चुके हैं। 1.19 प्रतिशत लोगों की संक्रमण के चलते मौत हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अब तक कोविड टीके की 220.65 करोड़ खुराक दी जा चुकी है।

32 जिलों में पॉजिटिविटी रेट 10 प्रतिशत से अधिक- आंकड़े बताते हैं कि 32 ऐसे जिले हैं, जहां मौजूदा समय 10 प्रतिशत से ज्यादा पॉजिटिविटी रेट है। आठ से 14 मार्च के बीच ऐसे नौ जिले थे।

दिल्ली के चार जिलों में सबसे ज्यादा खराब हालत

सबसे अधिक पॉजिटिविटी रेट वाले जिलों में दिल्ली के चार जिले शामिल हैं। साउथ दिल्ली में पॉजिटिविटी रेट 13.8 प्रतिशत है। ईस्ट दिल्ली में 13.1प्रतिशत, नॉर्थ ईस्ट दिल्ली में 12.3प्रतिशत, सेंट्रल दिल्ली में पॉजिटिविटी रेट 10.4प्रतिशत है। दिल्ली के अलावा सबसे ज्यादा पॉजिटिविटी रेट वाले जिले महाराष्ट्र, केरल और गुजरात में हैं। आंकड़े बताते हैं कि केरल के वायनाड में कोविड की पॉजिटिविटी रेट 14.8प्रतिशत है, जबकि कोट्टयम में 10.5 प्रतिशत है। इसी तरह महाराष्ट्र के सांगली में 14.6 प्रतिशत और पुणे में 11.1प्रतिशत पॉजिटिविटी रेट है। गुजरात के अहमदाबाद जिले में 10.7 प्रतिशत पॉजिटिविटी रेट है।

पिछले साल की तरह दिख रहे हालात

डॉक्टर्स का कहना है कि मौजूदा समय जो हालात हैं, वो ठीक पिछले साल जनवरी से मार्च की तरह हैं। तब भी तीसरी लहर के दौरान लोगों में कोरोना के समान लक्षण दिख रहे थे। गंभीर लक्षण वाले मरीजों की संख्या कम -दिल्ली के लोक नायक अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. सुरेश कुमार कहते हैं कि वर्तमान में अस्पताल में दो कोविड-19 मरीज भर्ती हैं। एक मरीज ऑक्सीजन सपोर्ट पर है जबकि दूसरे को वेंटिलेटर सपोर्ट की जरूरत है।

सीधी में लोकायुक्त टीम ने पटवारी को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा

भोपाल। लोकायुक्त टीम रीवा ने पटवारी को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा है। यह कारवाई मंगलवार सुबह करीब 11 बजे सीधी जिले के तहसील मड़वास में की गई है। जमीन की इतलावी के लिए रिश्वत की मांग की गई थी। तहसील कार्यालय एवं पटवारी के निवास पर रिकार्ड देखे जा रहे हैं।

बता दें कि रमेश तिवारी निवासी जोडउरी ने लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत किया था कि राजेश कोल पटवारी जमीन के इतलाबी के लिए 4000 रिश्वत की मांग कर रहे हैं। पैसा नहीं देने पर कार्य नहीं किया जा रहा था, ऐसे में दोनों के बीच तय बात पर मंगलवार की सुबह 11 बजे 2000 रिश्वत देने तहसीलदार कार्यालय में पहुंचा। तब तक लोकायुक्त की टीम अपना जाल बिछा चुकी थी। जैसे ही रमेश तिवारी ने पटवारी को रिश्वत दिया तो लोकायुक्त टीम रंगे हाथ पकड़ लिया। यह दूसरी किस्त रही है। पहली किस्त 2000 पहले ले चुका था।

बता दें कि रंगे हाथ पकड़ने के बाद आरोपित पटवारी को लेकर लोकायुक्त टीम टिकरी ले जाकर करवाई कर रही है। राजस्व अमले की लगातार हो रही कार्रवाई से हड़कंप मचा हुआ है।

झूलेलाल मंदिर में आज मनाई जाएगी भगवान झूलेलाल की छठी

संत हिरदाराम नगर। झूलेलाल चालीहा साहब मंदिर समिति संत हिरदाराम नगर ने सिंधी समाज के इष्ट देव भगवान झूलेलाल के अवतरण दिवस के बाद अब छठी का आयोजन किया जा रहा है। समिति के मुख्य संरक्षक साबू रीझवानी ने बताया कि अब भगवान झूलेलाल की आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु 28 मार्च को शाम 7:30 बजे वेदांत महान संत लाल साईं के सानिध्य में भगवान झूलेलाल के छठी का आयोजन न्यू बी 10 स्थित झूलेलाल चालीहा साहब मंदिर में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में भगवान झूलेलाल की पूजा अर्चना, आरती, लोकगीत, संगीत, भजन संध्या तथा सामूहिक प्रार्थना आदि किया जाएगा। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष चंद्रभान रीझवानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहनलाल मनवानी, कन्हैयालाल मुलानी, संरक्षक जगदीश आसवानी, भरत आसवानी, महिला विंग की चेयरमैन प्राचार्य किरण वाधवानी सहित बड़ी संख्या में रहवासी मौजूद रहेंगे।

डॉ. नेहा गुप्ता की पुस्तक अ स्ट्राइविंग ऑथर का हुआ प्रकाशन

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय की अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नेहा गुप्ता, की एक पुस्तक अ स्ट्राइविंग ऑथर डॉ. सैमुअल जॉनसन का प्रकाशन हुआ है। यह विषय अंग्रेजी साहित्य के पाठ्यक्रम का एक हिस्सा है। डॉ. नेहा गुप्ता की प्रकाशित यह आठवीं पुस्तक है, जिसे माधव प्रकाशन, आगरा द्वारा प्रकाशित किया गया है। डॉ. नेहा एक प्रतिबद्ध लेखक हैं जो समय-समय पर साहित्य से संबंधित पुस्तकों का प्रकाशन करती आई हैं। उनकी वर्तमान पुस्तक एक ऐसे नैतिकतावादी कवि, लेखक, आलोचक, निबंधकार, नाटककार एवं जीवनी लेखक, डॉ. सैमुअल जॉनसन के विषय में है, जिनका अंग्रेजी साहित्य में उल्लेखनीय योगदान है। डॉ. गुप्ता की यह पुस्तक अंग्रेजी साहित्य के विद्यार्थियों एवं विश्व साहित्य में रूचि रखने वाले जिज्ञासु छात्रों के लिए विशेष लाभप्रद सिद्ध होगी।

निगम ने की 7 बकायादारों पर दर्ज कराई एफआईआर

भोपाल । अवैध पानी कनेक्शन एक अपराध है। इसे उचित धंधे के माध्यम से प्राप्त करना चाहिए, और यदि कोई यह अपराध करता है, तो उसे दंडित किया जाना चाहिए। घटनाक्रम यदि यह सच है, तो निगम ने सही किया है कि उन्होंने एफआईआर दर्ज कराया है और बकायादारों के विरूद्ध कदम उठाये हैं। यह एक सक्रिय कार्यवाही है जो नगर निगम द्वारा लिए गए कठोर उपायों में से एक है। कुछ लोगों द्वारा राजस्व वसूली व करों की अदायगी नहीं की जा रही है, इसलिए निगम आयुक्त के निर्देश पर नगर निगम द्वारा संपत्ति कुर्क करने व नल कनेक्शन विच्छेद करने का फैसला लिया गया है। यह एक कठोर कदम है जो निगम द्वारा उन लोगो के लिए लिया गया है जो नगर निगम द्वारा निर्दिष्ट किए गए नियमों व विधियों का उल्लंघन करते हुए अपने कर्तव्यों से बच रहे हैं।

इसी क्रम में 1. अब्दुल कादिर खान पता-मकान नंबर 01 मेंहदी वाली गली, 2. अब्दुल रजाक/गुड्डू पता- छुट्टू लाल गली, 03. उमर पता-धूल धोयन गली, 04. मो. अली पता- म.नं. 5-6 धोबी वाली गली, 05. संचालक इंडियन शादी हाल गिन्नौरी, 06. अनवर मियां पता- मेंहदी वाली गली, 07. मो. इकराम पता- मेंहदी वाली गली द्वारा जल उपभोक्ता प्रभार की राशि जमा न करने पर विगत दिनों निगम के जोन क्रमांक 05 वार्ड क्रमांक 22 के जल कार्य अमले द्वारा नल कनेक्शन काटने की कार्यवाही की गई थी। जिसके उपरांत उक्त 07 बकायादारों द्वारा नल कनेक्शन काटे जाने के बाद बिना अनुमति के सार्वजनिक पानी सप्लाई की पाईप लाईन तोड़कर लोक संपत्ति को क्षति पहुंचाकर अवैध रूप से नल कनेक्शन कर, निगम का जल उपभोक्ता प्रभार जमा किये बिना पानी की चोरी करते पाये जाने पर 07 बकायादारों के विरूद्ध सहायक यंत्री जलकार्य जोन क्रमांक 05 द्वारा तलैया थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई जिस पर तलैया थाना पुलिस ने सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान निवारण अधिनियम 1984 की धारा 3 एवं 4 के तहत तलैया थाने में अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। अवैध नल कनेक्शनों को काटने का कार्य भी निगम द्वारा नियमित रूप से किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सही वस्तु संपत्ति का उपयोग करने वालों को लाभ पहुंचाना है। अवैध नल कनेक्शनों का काटना उन लोगों को भी संबोधित करने के लिए एक सक्रिय कदम है जो नगर निगम द्वारा संचालित किया जाता है।

अधिभार, नीलामी तथा करों की दुगनी राशि जमा करने से बचने की सलाह

भोपाल । **नगर निगम प्रशासन द्वारा बताया गया कि चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 की समाप्ति के पहले ही दिनों** में करदाताओं से कर जमा करवाने की अपील की जा रही है। इस अपील के माध्यम से, नगर निगम प्रशासन करदातों से अनुरोध कर रहा है कि वे चालू वित्तीय वर्ष के करों की अदायगी करें और संपत्तिकर, जल उपभोक्ता प्रभार, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रभार और अन्य करों व शुल्कों की राशि का भुगतान 31 मार्च 2023 तक करें। इस अपील के माध्यम से नगर निगम प्रशासन द्वारा बताया गया है कि यदि करदाता चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 की समाप्ति से पहले अपने करों की अदायगी नहीं करता है, तो उसे 31 मार्च 2023 के बाद 15 प्रतिशत संपत्तिकर अधिभार चुकाना होगा। इसके अलावा, उन करदाताओं को वंचित नहीं रहना चाहिए जिनकी संपत्ति स्वयं के निवास पर है।

संपत्ति कर नहीं मिलेगी छूट: यह बताते हुए कि अगर कोई व्यक्ति अपनी संपत्ति के लिए संपत्तिकर नहीं भरता है, तो उन्हें वार्षिक भाड़े मूल्य पर मिलने वाली 50 प्रतिशत छूट नहीं मिलेगी। यह उन्हें अपनी संपत्ति के लिए अधिक राशि अदा करने के लिए मजबूर कर सकता है। इस तरह से, निगम प्रशासन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जिन लोगों ने संपत्तिकर नहीं भरा है, उन्हें कानूनी कार्रवाई से नहीं बचाया जाएगा।

करदाताओं से अनुरोध: जो अपने करों का भुगतान नहीं करते हैं। संदेश में कहा गया है कि करदाताओं से अनुरोध किया जा रहा है कि वे अपने करों का भुगतान करें और अनावश्यक कठिनाईयों से बचें। इसके अलावा, उनसे अपने शहर के विकास में सहयोग करने का अनुरोध किया जा रहा है। निगम प्रशासन द्वारा करदाताओं की सुविधा के लिए अपने सभी जोन, वार्ड एवं नागरिक सुविधा केन्द्र 31 मार्च 2023 तक निरंतर खोले जा रहे हैं। इससे करदाताओं को अपने करों का भुगतान करने में आसानी होगी। प्रत्येक वार्ड के दो-दो प्रमुख स्थानों पर राजस्व वसूली सह समाधान शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। इससे करदाताओं को अपने करों का भुगतान करने के लिए अधिक सुविधाएं मिलेंगी।

गेहूं में नमी की मात्रा अधिक, समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन 31 मार्च तक स्थगित

भोपाल । भोपाल संभाग में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन 31 मार्च तक स्थगित किया गया है । जिला आपूर्ति अधिकारी मीना मालाकार ने बताया कि शासन द्वारा जारी आदेश अनुसार प्रदेश के अधिकांश जिलो में विगत सप्ताह गेहूं की खड़ी फसल पर असामयिक वर्षा के कारण गेहूं में नमी की मात्रा बढ़ जाने से इन्दौर, उज्जैन, भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग के जिलो में उपार्जन केन्द्रों पर समर्थन मूल्य पर नमीयुक्त गेहूं विक्रय के लिए पहुंच रहा है, जिसके फलस्वरूप उपार्जन केन्द्रों पर निर्धारित एफएक्यू गुणवत्ता के गेहूं की खरीदी संभव नहीं हो पा रही है। जारी आदेश में कहा गया है कि किसानों को अपनी गेहूं फसल को सुखाकर निर्धारित नमी मात्रा अनुसार गेहूं विक्रय करने का अवसर प्रदान करने की दृष्टि से इन संभागों में 28 से 31 मार्च 2023 तक गेहूं उपार्जन कार्य स्थागित किया जाता है। ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीकृत किसानों द्वारा उक्त अवधि में गेहूं विक्रय हेतु किए गए स्लॉट बुकिंग को निरस्त किया गया है । कृषक द्वारा सुविधा अनुसार पुन: स्लॉट बुकिंग की जा सकेगी।

विधायक कृष्णा गौर ने भूमि पूजन किया

भोपाल । विधायक कृष्णा गौर ने वार्ड क्रमांक 54 के अंतर्गत स्थित 9 बी साकेत नगर से एम्स तक के मार्ग के डामरीकरण के लिए भूमि पूजन किया। उन्होंने महापौर परिषद के सदस्य जितेंद्र शुक्ला की उपस्थिति में यह कार्य किया। विधायक कृष्णा गौर द्वारा डामरीकरण के लिए भूमि पूजन किया गया है। उन्होंने स्थानीय पार्षद जितेंद्र शुक्ला की उपस्थिति में यह कार्य किया है। इस अवसर पर पार्षद अर्चना परमार, प्रताप बारे, पूर्व पार्षद रामबाबू पाटीदार के अलावा धर्मेंद परिहार, प्रदीप पाठक, सुनील द्विवेदी, श्रीराम दुबे सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद थे।

पुलिस ने गड्डी गैंग के आरोपियों को किया गिरफ्तार

भोपाल। थाना हनुमानगंज भोपाल मे सिलसिलेवार घटित धोखाधडी की बारदातो हो रही इसी दौरान 3 मार्च 2023 को 60 वर्षीय वृद्ध महिला निवासी मंगलवारा भोपाल एवं 23 मार्च 2023 को 55 वर्षीय महिला निवासी फूटा मकबरा के साथ घटित घटना के संबंध मे थाना हनुमानगंज मे अप.क्र.139/23 धारा 420 भादवि. तथा 193/23 धारा 420 भादवि. का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। पीड़ित महिलाओं के बताये अनुसार घटनास्थल के समीप पीडित महिलाओं को अज्ञात व्यक्तियो के द्वारा प्रवंचना करते हुए झांसा देकर जेवरात लिए गए तथा कागज के टुकडो की बनी गड्डी देकर धोखाधडी की घटना घटित की गई। थाना हनुमानगंज भोपाल मे सिलसिलेवार घटित धोखाधडी की बारदातो को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस के वरिष्ट अधिकारियो के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित कर आरोपियो की अविलंब गिरफ्तारी करने निर्देशित किया गया। पुलिस की विशेष टीम द्वारा घटनास्थल व घटनास्थल से लगे मार्गो के सीसीटीटीव्ही कैमरो की फुटेज संकलित करते हुए तकनीकी साक्ष्य संकलित कर ह्यूमन इन्टेलीजेन्स व मुखबिरतंत्र के आधार पर अंतर्राज्यीय गिरोह के 03 सदस्यो औबेदुल्लागंज टोल नाका होशंगाबाद रोड मे पकडा गया पूछताछ पर आरोपियो ने थाना क्षेत्रान्तर्गत महिलायो के साथ 02 घटनाएं घटित करना स्वीकार किया है।

आरोपियों से हिस्से मे आये नगदी रूपये बरामद किये गये है गिरोह के सरगना आरोपी धनीराम सोलंकी उर्फ सूरज पिता स्व. बालचंद नि. छट पूजा पार्क के पास म.नं. J-21 सावदा जे.जे. कालोनी नई दिल्ली को पुलिस रिमाण्ड मे लेकर सोने के जेवरात दिल्ली मे बरामदगी की जाना है ।

यह सूचित करने के लिए शुभ है कि पुलिस की विशेष टीम ने अंतर्राज्यीय गिरोह के 03 सदस्यों को आबेदुल्लागंज टोल नाका होशंगाबाद रोड में पकड़ा है और उनसे बरामदसम्पत्ति में नगदी रूपये भी बरामद किये गए हैं।आरोपियों ने पूछताछ के दौरान महिलाओं के साथ 02 घटनाओं को स्वीकार किया है। इस संबंध में धनीराम सोलंकी उर्फ सूरज नाम का एक आरोपी गिरोह के सरगना होने के अलावा सोने के जेवरात को बरामद किया गया है। आरोपी को दिल्ली में पुलिस रिमांड में लेकर जाँच की जाएगी।

कोलार सिक्स लेन निर्माण पकड़ेगी रफ्तार, तीन और जगह से शुरू होगा काम

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

शहर के पहले सबसे लंबे सिक्स लेन की 222 करोड़ की लागत से निर्माण में और अधिक तेजी देखने को मिलेगी । मंगलवार से तीन जगहों कोलार तिराहे, भोज विश्विद्यालय के सामने और डी मार्ट पर भी काम निर्माण एजेंसी द्वारा शुरू किया जाएगा । सोमवार को विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, कलेक्टर भोपाल श्री अविनाश लवानिया एवं आयुक्त नगर निगम श्री के वी एस चौधरी की उपस्थिति में सिक्स लेन की समीक्षा बैठक में तय हुआ । यह बहुत अच्छी खबर है कि भोपाल में सड़क सुविधाओं में सुधार हो रहा है। भोपाल के पहले सबसे लंबे सिक्स लेन के निर्माण के लिए 222 करोड़ रुपये का खर्च होगा, जो सिक्स लेन को और भी तेज बनाने में मदद करेगा।

इस काम के लिए, निर्माण एजेंसी ने मंगलवार से तीन जगहों कोलार तिराहे, भोज विश्विद्यालय के सामने और डी मार्ट पर काम शुरू कर दिया है। इस काम को मंजूरी देने के बाद, सोमवार को विधायक रामेश्वर शर्मा, कलेक्टर अविनाश लवानिया एवं आयुक्त नगर निगम के वी एस चौधरी की उपस्थिति में सिक्स लेन की समीक्षा बैठक में तय हुआ है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि निर्माण कार्य समय पर हो, सड़क निर्माण एजेंसी के निर्देशानुसार निर्माण कार्यों का निरीक्षण भी होगा। यह निर्माण कार्य भोपाल के वाहन यातायात में बेहतर सुविधाओं को उपलब्ध कराएगा। इस दौरान लोक निर्माण विभाग, एसडीएम कोलार एवं एसडीएम टी टी नगर, सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे । कोलार गेस्ट हाउस में समीक्षा बैठक के उपरांत कोलार तिराहे से गोल जोड़ तक 15 किलोमीटर मार्ग का दौरा भी किया। दौरे के दौरान बैरागढ़ चीचली पर सिवेज लाइन के आस पास सड़क निर्माण की खुदाई में आ रही परेशानी का अवलोकन किया साथ ही गोल जोड़ पर चल रहे सीसी कार्य का भी अवलोकन किया ।

कलेक्टर लवानिया ने समीक्षा बैठक के दौरान नाराज़गी व्यक्त करते हुए कहा कि लंबी चाल के इंतज़ार में न रहें जहां जैसे जैसे चाल मिलती जा रही है । जहां पोल शिफ्टिंग हो चुके है, अतिक्रमण हट चुका है वहां उसी दिन से काम शुरू करें । इसके लिए जरूरत पड़े और टीम बढ़ाएं । यदि लंबी चाल के इंतज़ार में बैठेंगे तो काम की रफ्तार धीमी होगी और नागरिकों को असुविधा भी होगी । बैठक में विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि सिक्स लेन के सेंटर से 15-15 मीटर पर बनाएं गए डक्ट के बाद बिजली के खंबे शिफ्ट किये गए हैं । इन बिजली के खम्बो के बाद निगम भविष्य की सम्भावनाओं के आधार पर पेय जल एवं सिवेज लाइन के लिए जगह का ध्यान में रखकर भवन अनुज्ञा जारी करे ।

इस बैठक में विधायक रामेश्वर शर्मा ने बताया है कि सिक्स लेन के सेंटर से 15-15 मीटर पर बनाए गए डक्ट के बाद बिजली के खंबे शिफ्ट किए गए हैं। इन बिजली के खम्बों के बाद, निगम अगले भविष्य की संभावनाओं के आधार पर पेय जल एवं सिवेज लाइन के लिए जगह का ध्यान रखकर भवन अनुमति जारी करने की संभावना है।

आरएन इंटरप्राइजेज इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स का शुभारंभ

भोपाल। करोंद चौराहा इलेक्ट्रॉनिक गुड्स के लिए आर्यन इंटरप्राइजेज का शुभारंभ मंत्री मध्यप्रदेश शासन विश्वास सारंग द्वारा किया गया आर्यन एंटरप्राइजेज के संचालक राजेंद्र प्रजापति ने बताया कि करौली क्षेत्र में लोगों को इलेक्ट्रॉनिक्स के सामान खरीदने के लिए शहर जाना पड़ता था आर्यन इंटरप्राइजेज पर सभी तरह के इलेक्ट्रॉनिक सामान वाजिब दाम पर उपलब्ध कराए गए हैं इसमें इलेक्ट्रिक फिटिंग का सभी सामान कूलर पंखे आदि सभी कंपनियों के उपलब्ध कराए गए हैं संचालक संतोष प्रजापति पिछले 15 वर्ष से बिजली का कार्य करते रहे हैं और इसमें उनको बहुत अनुभव है ग्राहकों को उनके द्वारा बिजली संबंधित सभी सामान्य एवं सुविधाएं देने का प्रयास किया है घरों में लगने वाले कैमरे की सभी रेंज उपलब्ध कराई गई है

गुरुद्वारा अकाल गढ़ साहिब ट्रांसपोर्ट नगर में बैसाखी पर 14 अप्रैल को कार्यक्रम

भोपाल। गुरुद्वारा श्री अकाल गढ़ साहिब ट्रांसपोर्ट नगर कोकता 14 अप्रैल को बैसाखी पर्व की तैयारियां की जा रही है मुख्य सेवादार बाबा गुरतेज सिंह ने बताया कि इस अवसर पर दास बाबा गोला सिंह जी सराहनीय साहिब वाले विशेष तौर से उपस्थित रहेंगे इस अवसर पर संगत और अटूट लंगर बरसेगा बाबा गुरतेज सिंह ने भोपाल की सभी साथ संगत से बैसाखी पर्व अकालगढ़ साहिब ट्रांसपोर्टर नगर भोपाल पधारने अपील की।

भाजपा युवा मोर्चा भानपुर मंडल मीडिया प्रभारी आकाश सूर्यवंशी का जन्म दिन मनाया

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा भानपुर मंडल मीडिया प्रभारी आकाश सूर्यवंशी का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया जिसमें उपस्थित भानपुर युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष राहुल कुछबंधिया जी भानपुर मंडल उपाध्यक्ष अभय यादव जी वार्ड क्र. 73 के शानदार पार्षद श्री राजू राठौर जी, नर्मदा सचान जी, क्रू मरमट जी गौरव साहू जी युवा साथियों के साथ बड़े ही धूमधाम से मनाया गया बधाई शुभकामनाएं दी

सिंधी प्रीमियर लीग: दूसरे दिन नर्मदापुरम 11, महाकाल 11, सिंधी टाइटन्स 11, फाइटर्स 11 रही विजेता

संत हिरदाराम। सिंधु सेना द्वारा आयोजित 26 मार्च से 2 अप्रैल तक होने वाले नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट ,सिंधी प्रीमियर लीग6 के दूसरे दिन 4 मैच खेले गए जिसमे मध्यप्रदेश के बीज निगम के पूर्व अध्यक्ष महेंद्र यादव ने मेन ऑफ द मैच की ट्रॉफी देते हुए खिलाड़ियों से परिचय करके कहा सिंधु सेना द्वारा लगातार 6 बार से नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट करवाकर युवाओं को खेल से जोड़कर खिलाड़ियों को शानदार प्लेटफार्म दिया हे,सिंधी प्रीमियर लीग के दूसरे दिन पहला मैच नर्मदापुरम इलेवन ने टॉस जीत के गेंदबाजी की और घराना 11 को 8 ओवर में 77 रन पर रोका घराना 11 की ओर सेल लवीन ने 29 रन बनाए नर्मदापुरम इलेवन 7 ओवर 3 गेंद में जीत लिया अंश आहूजा ने 50 रन बनाए उन्हें मैन ऑफ द मैच

दिया गया दूसरे मैच में महाकाल 11 ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की और सीएम सुपर किंग को 57 रन पर रोका महाकाल इलेवन की ओर से निलेश और मोहित ने तीन-तीन विकेट लिए महाकाल 11 ने यह मैच दो ओवर दो गेंद में जीत लिया निलेश ने 40 रन बनाए उनको दोहरे प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच दिया गया। तीसरे मैच में सिंधी टाइटंस ने तो जीत के पहले गेंदबाजी की और चाचू 11 को 77 रन पर रोक दिया चाचू 11 के सतीश ने 40 रन बनाए सिंधी टाइटंस ने यह मैच 5 ओवर 5 गेंद मैं जीत लिया विक्की ने 7 गेंदों पर 21 रन बनाए उन्हें मैन ऑफ द मैच दिया गया। चौथे मैच में फाइटर 11 ने टॉस जीत के पहले गेंदबाजी की और 8 ओवर में अंडर रेटेट 11 को 102 पर रोका सिड ने 33 रन बनाए फाइटर इलेवन 7 ओवर 3 गेंद में 63 पर ऑल आउट हो गई सिड को मैन ऑफ द मैच दिया गया। इस अवसर पर राकेश कुकरेजा, यशपाल तनवानी,विकास वाधवानी, दर्शन कुकरेजा, नरेंद्र ठाकुर, अनिल थारवानी, सुमित आहूजा सहित युवा साथी उपस्थित थे

स्टार कॉस्मेटिक्स ने किया सेमिनार का आयोजन

भोपाल। स्टार कॉस्मेटिक्स द्वारा भोपाल के मेकअप आर्टिस्ट एवं ब्यूटीशियंस के लिए एक सेमिनार का आयोजन किया गया इस आयोजन में मुंबई से प्रदीप नहाटे ने मेकअप की बारीकियां और नए ट्रेंड के बारे में बताया इस सेमिनार में भोपाल की प्रसिद्ध ब्यूटीशियंस निक्की बाबा सहित 170 से अधिक मेकअप आर्टिस्ट एवं ब्यूटीशियन ने भाग लिया प्रदीप नहाटे मुंबई फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने मेकअप आर्टिस्ट है एवं 10 वर्षों तक विश्व सुंदरी एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय का मेकअप कर चुके हैं स्टार कॉस्मेटिक्स के प्रोडक्ट फिल्म इंडस्ट्री में पिछले 50 वर्षों से उपयोग किए जाते रहे हैं मधुबाला सहित अनेक अभिनेत्रियां के मेकअप के लिए स्टार कॉस्मेटिक् के प्रोडक्ट का का उपयोग किया जाता रहा है प्रदीप नहाटे ने आज ब्यूटीशियन को बिना ब्रश वगैरह के सिर्फ हाथों से दूल्हा-दुल्हन एवं पार्टी मेकअप तैयार किया प्रदीप नहाटे ने बताया कि कम समय में सिर्फ हाथों से ही अच्छा मेकअप किया जा सकता है स्टार कॉस्मेटिक्स के डिस्ट्रीब्यूटर इश्यू ट्रेडर्स के विजय सचदेवा ने बताया कि स्टार कॉस्मेटिक्स फिल्म इंडस्ट्री में बरसों से कलाकारों द्वारा उपयोग में लाया जाता रहा है विदेश के प्रोडक्ट की तुलना में इसके रेट काफी रीजनेबल है साथ ही इसमें इंडियन बॉडी के हिसाब से कॉस्मेटिक तैयार किए गए हैं स्टार्स कॉस्मेटिक्स पर मेकअप ब्यूटीशियंस के लिए सारे प्रोडक्ट की रेंज बहुत ही रीजनेबल रेट पर उपलब्ध है स्टार कॉस्मेटिक के प्रोडक्ट भारत के मौसम के हिसाब से बहुत ही सुविधाजनक एवं प्रभावी है इस सेमिनार में प्रदीप नहाटे के साथ रूपश्री नहाटे ने भी मेकअप की बारीकियां सिखाई ब्यूटीशियन ने स्टार कॉस्मेटिक्स के प्रोडक्ट में बहुत दिलचस्पी दिखाई उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जाहिर की कि फिल्म इंडस्ट्री में उपयोग किए जाने वाले स्टार कॉस्मेटिक्स के प्रोडक्ट अब उन्हें उपलब्ध हो सकेंगे स्टार कॉस्मेटिक्स अपनी है प्रोडक्ट इश्यू ट्रेडर्स के जरिए पूरे मध्यप्रदेश में उपलब्ध कराएगा।

जल जीवन मिशन का सफल क्रियान्वयन सामूहिक जिम्मेदारी : शिवराज सिंह

मुख्यमंत्री ने की समीक्षा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जल जीवन मिशन महत्वाकांयोजना है। केन्द्र और राज्य शासन के संसाधनों से क्रियान्वित होने वाले इस मिशन से हर घर में नल से जल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। योजना का सफल क्रियान्वयन सभी जन-प्रतिनिधि और अधिकारी-कर्मचारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। योजना में हो रहे निर्माण कार्यों के प्रति सजग रहना और समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करना आवश्यक है। जल-स्त्रोतों को इस प्रकार चिन्हित किया जाए कि ग्रीष्म ऋतु में निरंतर जलापूर्ति सुनिश्चित की जा सके। मिशन में पाइप लाइन डालने के लिए की गई खुदाई का रेस्टोरेशन कार्य प्राथमिकता से तत्काल पूर्ण किया जाए। जिला तथा राज्य स्तर के अधिकारी निरंतर भ्रमण कर कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा में उन्हें पूर्ण करना सुनिश्चित करें। वर्षा ऋतु से पहले सभी रेस्टोरेशन के कार्य अनिवार्यतः पूर्ण कर लिए जाएं।

सभी जिले वर्चुअली जुड़े: मुख्यमंत्री चौहान मिशन में जारी कार्यों की राज्य स्तरीय समीक्षा कर रहे थे। बैठक में सभी जिले वर्चुअली शामिल हुए। मंत्रालय में हुई बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. महेन्द्र सिंह सिसोदिया, वन मंत्री कुँवर डॉ. विजय शाह, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी राज्य मंत्री बृजेन्द्र सिंह यादव, नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री ओ.पी.एस. भदौरिया, स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) इंदर सिंह परमार, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस सहित अधिकारी तथा निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

घटिया और विलंब से हुए कार्य का भुगतान रोकें: मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि जिले अपने कार्यों का रोडमेप बना कर रहें। जिन ठेकेदारों के कार्य गुणवत्तापूर्ण हैं और जो समय-सीमा का पालन करते हैं, उन्हें हरसंभव सहयोग प्रदान करें। घटिया और विलंब से कार्य करने वालों के भुगतान रोके जाएँ। मुख्यमंत्री चौहान ने बैठक के प्रथम सत्र में इंदौर और उज्जैन संभाग की जिलेवार समीक्षा की।

खरगोन जिले में हुए समस्त कार्यों की जाँच के निर्देश: बताया गया कि बुरहानपुर जिले के समस्त 254 गाँवों का हर घर जल ग्राम के रूप में प्रमाणीकरण हो गया है। मुख्यमंत्री चौहान ने निर्देश दिए कि गर्मी में जल-स्त्रोत कमजोर होने पर नया स्त्रोत तत्काल विकसित करने की तैयारी रखी जाए। मुख्यमंत्री चौहान ने इंदौरजिले में 330 नल-जल योजनाओं के लंबित होने पर नाराजगी व्यक्त की। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि कलेक्टर साप्ताहिक रूप से कार्य की प्रगति की समीक्षा कर आगामी दो सप्ताह वार लक्ष्य तय करें, कार्य को गति दें और जून-जुलाई तक पूर्ण होने वाले कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करवायें। योजनाओं के सुचारू संचालन और संधारण के लिए ग्राम पंचायतों, ग्राम, जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों को जागरूक कर दायित्व सौंपा जाए। एल एंड टी सहित जिन फर्मों को कार्य सौंपे गए हैं, वे प्रमुख तकनीकी कार्य, पेटी कॉन्ट्रेक्टर को न दें। जिलों में कार्य कर रही फर्म, प्रदेश के विकास में हमारी सहयोगी हैं। जिले के अधिकारी, ठेकेदारों से निरंतर संवाद में माह में कार्य पूर्ण कराएँ। मुख्यमंत्री चौहान ने खरगोन जिले में हुए समस्त कार्यों की जाँच कराने के निर्देश दिए। धार जिले की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि जिन ठेकेदारों ने घटिया काम किए हैं उनका भुगतान रोका जाए। जानकारी दी गई कि बड़वानी जिले की कुल स्वीकृत 315 एकल ग्राम नल-जल योजनाओं में से 59 का कार्य पूर्ण और 256 में कार्य प्रगति पर है। मुख्यमंत्री ने झाबुआ और अलीराजपुर जिले की समीक्षा भी की गई।

एक लाख ग्यारह हजार अभिमंत्रित रुद्राक्ष घर-घर जाकर वितरित किए

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

ओम शिव शक्ति सेवा मंडल रजिस्टर्ड भोपाल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि महा शिव रात्रि पर्व से लगातार पिछले 36 दिनों से मंडल एवम अनेकों सामाजिक ,धार्मिक संस्थाओं द्वारा ग्यारह पवित्र नदियों के जल एवम महाकाल पर चढ़ाई हुई भस्म से अभिमंत्रित किए हुए एक लाख ग्यारह हजार रुद्राक्षों का वितरण करने का कार्य किया जा रहा था। जिसे आज बढ़े तालाब स्थित शीतल दास की बगिया में बिधबिधान ,पूजा पाठ के साथ समापन किया गया । तालाब के शुद्धिकरण के लिए 11 रुद्राक्षों का विसर्जन तालाब के पानी में किया गया। सचिव रिंकू भटेजा ने आगे बताया की रुद्राक्षों का वितरण भोपाल समेत प्रदेश के 29 जिलों एवम देश के 15 राज्यों में स्पीड पोस्ट के माध्यम से निशुल्क वितरित किए गए । इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से रिंकू भटेजा ,राज कुमार शर्मा ,सचिन सेवारामानी , प्रकाश पाटिल, जेपी शर्मा, समाधान पाटील, राज नारायण पटेल,गुड्डू अग्रवाल ,मनोज पांडे ,योगेश श्रीवास्तव, राज कुमार रघुवंशी, सविता मालवीय, मीरा गौतम, ज्योत्सना पाटीदार, दीपा यादव, लता शर्मा, मंजू गौतम,कविता व्यास, राधा यादव, भावना तिवारी, राधिका गौतम, गुड्डू राठौर, नीलेश आचार्य, राम बाबू शर्मा, गजेन्द्र ठाकुर, मुकेश रायकवार, प्रदीप सोनी सहित अनेकों मंडल सदस्य शामिल हुए ।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई राज्य स्तरीय दिशा समिति की बैठक

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मनरेगा योजना, अमृत सरोवरों के निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी विकास और जन-कल्याण की गतिविधियों के क्रियान्वयन तथा प्रभावशीलता की निगरानी में जन-भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है। इसमें जन-प्रतिनिधियों को भी अपना दायित्व निभाना होगा। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा विभिन्न योजनाओं की निगरानी और समीक्षा के लिए राज्य तथा जिला स्तर पर गठित दिशा समितियों की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री चौहान मंत्रालय में राज्य स्तरीय दिशा समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया, पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री रामखेलावन पटेल, सांसद डॉ. के.पी.एस. यादव, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मनरेगा में सृजित मानव दिवसों की संख्या में वृद्धि के लिए विशेष प्रयास किए जाएँ।

सामुदायिक कार्यों के क्रियान्वयन तथा भुगतान में पारदर्शिता सुनिश्चित करना आवश्यक है। प्रयास यह हो कि शत-प्रतिशत भुगतान आधार आधारित हो। सड़क निर्माण के कार्य बजट उपलब्धता के आधार पर ही आरंभ किए जाएँ। यह सुनिश्चित करें कि जो सड़क निर्माण आरंभ हों, उसे अधूरा न छोड़ा जाए, अधूरी सड़कों के कारण लोगों को परेशानी न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेतों तक सड़कों का विस्तार करना हमारा लक्ष्य है। इसी उद्देश्य से सुदूरवर्ती क्षेत्रों में सड़क निर्माण की योजना है। सूखे क्षेत्रों में वर्षा जल सहेजने के उद्देश्य से तालाबों के निर्माण को प्राथमिकता पर लिया जाए।

निजी विद्यालयों में नि:शुल्क प्रवेश के लिए ऑनलाइन लॉटरी कल

भोपाल। शिक्षा का अधिकार अधिनियम अर्न्तगत शैक्षणिक सत्र 2023-24 में गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों की प्रथम प्रवेशित कक्षा (नर्सरी/केजी-1/केजी-2/पहली) में कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों के नि:शुल्क प्रवेश के लिए ऑनलाइन लॉटरी अब बुधवार 29 मार्च 2023 को खोली जायेगी। पूर्व में यह तिथि मंगलवार 28 मार्च निर्धारित थी। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष ऑन लाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 23 मार्च 2023 थी। अंतिम तिथि तक आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के दस्तावेज सत्यापन का कार्य संबंधित जन शिक्षा केन्द्रों पर 25 मार्च 2023 तक किया जाना था। दस्तावेज सत्यापन में अभिभावकों की सुविधा को दृष्टिगत रख राज्य शिक्षा केन्द्र ने 25 मार्च की तिथि को आगे बढ़ाते हुए 27 मार्च 2023 तक विस्तारित किया था। अतः अब ऑनलाइन लॉटरी की तिथि को 29 मार्च निर्धारित किया गया है। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र श्री धनराजू एस ने बताया कि 29 मार्च को विद्यालय आवंटन के लिए पारदर्शी और रेण्डम पद्धति से ऑनलाइन लॉटरी खोली जायेगी। ऑनलाइन लॉटरी से बच्चों को स्कूल का आवंटन किया जायेगा और चयनित बच्चों को एस.एम.एस. से भी सूचित किया जाएगा। लॉटरी में चयनित बच्चों के अभिभावक 31 मार्च से 10 अप्रैल 2023 के बीच आवंटन पत्र डाउनलोड करके आवंटित स्कूल में अपने बच्चों को प्रवेश दिला सकेंगे।

काली का मंदिर पुल बोगदा माताजी के दरबार मेंपर सप्तमी के दिन कन्या पूजन किया किया

मेडिकल छात्रा ने चलते आटो से लगाई छलांग, अगवा करने की कोशिश

भोपाल। राजधानी में बैरागढ़ से लाल घाटी जाते समय एक चिकित्सा छात्रा ने चलते आटो से छलांग लगा लगा दी। आरोपित आटो चालक उसे जबरन अगवा करने की कोशिश की। आटो से कूदने के बाद छात्रा को चोट लगी है,आरोपित आटो चालक घटना के बाद उसका बैग भी साथ लेकर फरार हो गया है। उसकी शिकायत पर कोहेफिजा पुलिस ने शिकायत मामूली धारा में एफआइआर दर्ज की है। जानकारी के मुताबिक मूलत-कुराना रोड सावेर जिला इन्दौर निवासी 24 वर्षीय युवती जैन नगर जैन मन्दिर के पास किराये के मकान लालघाटी में रहकर बीएचएमएस की पढाई कर रही है। वह सीहोर की एक विश्वविद्यालय में पढ़ती है। रविवार शाम को करीब पांच बजे वह रेलवे स्टेशन बैरागढ़ से लालघाटी जाने के लिये उसने एक आटो किराये किया, आटो चालक ने सौ रूपये किराये बताया। उसे तय करने के बाद मेडिकल छात्रा सामान लेकर आटो में सवार हो गई थी।

मप्र हिन्दी ग्रंथ अकादमी की कार्य समिति एवं प्रबंधक मंडल की हुई बैठक

सभी विश्वविद्यालय में पुस्तक ब्रिकी केन्द्र खुलेगा : उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी की कार्य समिति एवं प्रबंधन मंडल की बैठक हुई। डॉ. यादव ने कहा कि विद्यार्थियों को आसानी से पाठ्यक्रम की पुस्तक सुलभ हो, इसके लिए सभी विश्वविद्यालय में पुस्तक बिक्री केन्द्र शुरू किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि अकादमी उच्च शिक्षा में हिन्दी में पुस्तक प्रकाशित करने वाली देश में पहली अकादमी है। मंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नवीन शैक्षाणिक-सत्र में भी उच्च शिक्षा विभाग से अनुसूचित जाति और जनजाति के विद्यार्थियों को पुस्तक सप्लाई करने का आदेश अप्रैल-मई तक जारी करें।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 अब तीसरे वर्ष में प्रवेश कर लिया है। इस परिप्रेक्ष्य में एनईपी और आजादी के अमृतकाल संबंधी संभाग स्तर एवं और सभी विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए आलेख-भाषण प्रतियोगिता जैसी गतिविधियों से नीति का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये।

अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता ने कहा कि म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी डिजिटल बुक की दिशा में भी आगे बढ़े। आम नागरिक और कॉलेज विद्यार्थियों से सुझाव आमंत्रित कर पुस्तकों का हिन्दी अनुवाद और समाचार-पत्रों की ऑडियो बुक तैयार की जाये। अकादमी के संचालक श्री अशोक कडैल ने विभिन्न विषय और आगामी योजनाओं की जानकारी दी। विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति भी उपस्थित थे।

डिण्डौरी में तैयार हो रहे है कोदो-कुटकी के उत्पाद और रेसिपी

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स (मोटा अनाज) वर्ष घोषित किया गया है। मध्यप्रदेश में भी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिये निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। मिलेट्स की पौष्टिक तत्व और बेहतर गुणवत्ता होने से विदेशों में अधिक माँग है। मध्यप्रदेश में अलग-अलग इलाकों में विभिन्न प्रकार के मिलेट्स का उत्पादन और उपयोग किया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिये प्रदेश के डिण्डोरी जिले की श्रीमती लहरी बाई की मन की बात में प्रशंसा भी की। महिला एवं वित्त निगम की सहायता से डिण्डौरी में कोदो-कुटकी के विभिन्न उत्पाद और व्यंजन रेसिपियाँ तैयार की गई हैं। कोदो-कुटकी बर्फी, कुकीज, ब्रेड, टोस्ट, नमकीन और खिचड़ी इत्यादि तैयार किये जा रहे हैं। इसके लिये विभिन्न ईकाइयाँ स्थापित की जाकर सफलता से संचालित की जा रही है। मिलेट्स सभी तरह की स्थितियों के लिये अत्याधिक अनुकूल होते हैं। इन्हें पानी उर्वरक और कीटनाशकों की न्यूनतम आश्यकता होती है। अन्य अनाजों की तुलना में यह स्वास्थ्य के लिए बेहतर माईक्रोन्यूट्रिएंट प्रोफाइल और बायोएक्टिव फ्लेवोनॉयड्स वाली पौष्टिक फसल है। प्रदेश का डिण्डोरी जिला मिलेट्स में कोदो-कुटकी के लिये विख्यात है। यह विलुप्त प्रजाति की लघु धान्य फसल है, जिसमें गेहूँ, चावल की अपेक्षा प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, मेगनिशियम आदि सूक्ष्म पोषक तत्व बहुत तादाद में उपलब्ध है। कोदो-कुटकी का ग्लासेमिक इन्डेक्स न्यून है। यह व्यक्ति को अधिक समय तक ऊर्जावान बनाये रखता है। महिला-बाल विकास विभाग द्वारा प्रदेश के आँगनवाड़ी केन्द्रों में 6 वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं को पूरक पोषण आहार प्रदान किया जाता है। इससे पोषक तत्वों की कमी को पूरा किया जा सकता है।

लाड़ली बहना योजना के लिए कंट्रोल रूम बनाएं: कलेक्टर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कलेक्टर अविनाश लवानिया ने मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के ऑनलाइन फॉर्म जमा होने के निरीक्षण और मॉनिटरिंग के लिए कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर लवानिया ने जिला महिला बाल विकास अधिकारी सुनील सोलंकी को निर्देश दिए कि लाडली लक्ष्मी योजना के ऑनलाइन जमा हो रहे कार्य का लगातार निरीक्षण करें और साथ ही इसकी गति भी बढ़ाएं । उन्होंने कंट्रोल रूम स्थापित करने और सभी फॉर्म जमा करने वाले केंद्रों से इसके संबंध में जानकारी प्राप्त करते रहने के निर्देश दिए । इसके साथ ही घर-घर जाकर लाडली बहनों को इस संबंध में जानकारी प्रदान करने के निर्देश दिए हैं, जिससे कि समय पर आवेदन ऑनलाइन जमा हो सके और सभी पात्र बहनों को इस योजना का लाभ मिल सके ।कलेक्टर लवानिया ने टीएल बैठक में सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में किसी प्रकार की पेंडेंसी ना रहे इसके लिए प्रतिदिन पोर्टल देखें और प्रत्येक दिन सीएम हेल्पलाइन में आने वाले प्रकरण पर कार्रवाई सुनिश्चित करें और उनका निराकरण कर उचित कार्रवाई करें। आवश्यक होने पर संबंधित व्यक्ति से बात करें और उसका संतुष्टि पूर्वक निराकरण भी करें। भोपाल जिले को ईट टू राइट कार्यक्रम के अंतर्गत देश में दूसरा स्थान मिला है इसके लिए खाद्य सुरक्षा विभाग के साथ अन्य विभाग के सभी अधिकारियों को कलेक्टर ने धन्यवाद दिया और सभी की भूरी भूरि प्रशंसा की और कहा कि इस प्रकार की योजनाओं को अमलीजामा पहनाने के लिए सामूहिक रूप से काम करें, इससे जिले का नाम देश स्तर पर ख्याति प्राप्त करेगा।

एम्स में त्वचा और गुर्दे की पैथालॉजी में इम्यूनोफ्लोरेसेंस पर कार्यशाला आयोजित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स में पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन विभाग, द्वारा 27 मार्च 2023 को त्वचा और गुर्दे की पैथोलॉजी में इम्यूनोफ्लोरेसेंस पर कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यशाला में मध्य प्रदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के रेजिडेंट्स और संकाय सदस्यों ने भाग लिया। सरकारी क्षेत्र में प्रत्यक्ष इम्यूनोफ्लोरेसेंस की सुविधा वर्तमान में केवल मध्य प्रदेश के एम्स भोपाल में उपलब्ध है, इसलिए मध्य भारत के रोगियों के लाभ के लिए इस क्षेत्र में ज्ञान का प्रसार अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यशाला का उद्घाटन एनाटॉमी विभाग की प्रमुख प्रोफेसर (डॉ.) बर्था रथिनम ने किया । कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहीं अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. नीलकमल कपूर ने कार्यशाला के शुभारंभ के अवसर पर स्वागत भाषण और कार्यशाला के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया । इस अवसर पर क्यूआर कोड के माध्यम से इम्यूनोफ्लोरेसेंस तकनीक पर एक शिक्षाप्रद वीडियो भी जारी किया गया । डॉ. तान्या शर्मा (सह प्राध्यापक पैथोलॉजी एवं लैब मेडिसिन), आयोजन सचिव, डॉ. श्रमणा मुखोपाध्याय सह-संगठन सचिव (सह प्राध्यापक पैथोलॉजी एवं लैब मेडिसिन), डॉ. ई. जयशंकर, सदस्य वैज्ञानिक समिति (अपर प्राध्यापक पैथोलॉजी एवं लैब मेडिसिन) और डॉ हेमलता पंवार, (सह प्राध्यापक पैथोलॉजी एवं लैब मेडिसिन) सदस्य, वैज्ञानिक समिति ने कार्यशाला का संचालन किया।

कार्यशाला में प्रत्यक्ष इम्यूनोफ्लोरेसेंस तकनीक का प्रदर्शन, स्लाइड के माध्यम से व्याख्या, स्लाइड प्रदर्शन सत्र और व्याख्यान शामिल थे। डॉ. गिरीश चंद्र भट्ट अपर प्राध्यापक बाल्य रोग विभाग ने गुर्दे की बायोप्सी और इम्यूनोफ्लोरेसेंस के नैदानिक पहलुओं पर चर्चा की । डॉ. अध्यात्म भंडारी, सहायक प्राध्यापक, त्वचाविज्ञान विभाग द्वारा त्वचीय घावों में इम्यूनोफ्लोरेसेंस की भूमिका एवं नैदानिक पहलुओं पर चर्चा की गई।

एम्स के कार्यपालक निदेशक ने उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट की

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने ि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की । माननीय मुख्यमंत्री ने केजीएमयू और पीजीआईसीएच नोएडा में उनके काम की प्रशंसा की । उन्होंने एम्स भोपाल के बारे में जानकारी ली और पिछले 7 महीनों के दौरान किए गए कार्यों के बारे में प्रसन्नता व्यक्त की । उन्होंने उत्तर प्रदेश राज्य में बाल चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में उनकी भूमिका में गहरी दिलचस्पी दिखाई । कार्यपालक निदेशक ने बताया कि यह एक यादगार मुलाकात रही और उनका अनुभव संतोषजनक रहा ।

स म्पा द की य

विपक्षी एकता का प्रदर्शन

राहुल गांधी का मामला जितना तूल पकड़ रहा है, शायद सत्तापक्ष ने ऐसा सोचा नहीं होगा। यह केवल देश ही नहीं, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चाओं में शुमार हो गया है। और संभवत: यह भी नहीं सोचा गया होगा कि राहुल गांधी पर अब तक अविश्वास करने वाली कई पार्टियां भी होले- होले राहुल के पक्ष में हो रहे विरोध में शामिल होने लगी हैं। कोर्ट का फैसला आया, तब भले ही दूरियां रही हों, लेकिन राहुल की लोकसभा सदस्यता जाने के बाद अब वे राजनीतिक पार्टियाँ भी कांग्रेस के साथ आ गई हैं, जो अब तक कांग्रेस से दूर भाग रही थीं। इनमें आप पार्टी और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख हैं।

सोमवार को सभी विपक्षी सांसदों ने मिलकर संसद में प्रदर्शन किया। सभी विपक्षी पार्टियों के सदस्य काले कपड़े पहनकर लोकसभा और राज्यसभा में पहुँचे थे। कांग्रेस जिस तरह संसद से सड़क तक प्रदर्शन की बात कर रही है, हो सकता है आगे चलकर विरोध प्रदर्शन के इस पूरे चक्र में सभी विपक्षी पार्टियाँ कांग्रेस के साथ आ जाएँ। तो हो सकता है कि सत्तापक्ष की चिंता और बढ़ जाए। यह ऐसे ही नहीं हो गया। दरअसल, विपक्षी पार्टियों को लग रहा है कि संसद सदस्यता जाने के कारण राहुल गांधी के प्रति लोगों की सहानुभूति उपजेगी और अगर इस सहानुभूति का कोई फ़ायदा वोट के रूप में कांग्रेस को होता है तो ये छोटे दल भी इस गंगा में हाथ धो लेंगे।

चूँकि यह साथ तात्कालिक लाभ से प्रेरित है, जैसा कि राजनीति में होता है, इसलिए इसका कोई स्थाई परिणाम अभी से नहीं सोचा जा सकता। भविष्य क्या होगा, क्या आम चुनाव तक यह विपक्षी एकता टिक पाएगी? ये सवाल तो अनुत्तरित हैं, लेकिन यह भी सही है कि आने वाले दिनों में किसी एक चुनाव का परिणाम अगर कांग्रेस के विपरीत आ जाता है तो ये सभी दल फिर से अपने पुराने राग अलापने लगेंगे। कांग्रेस का साथ छोड़ने में ये फिर पल भर का भी समय नहीं लगाएँगे।

जहां तक भाजपा का सवाल है, उसे लग रहा है कि यह एकता स्थाई नहीं है। और, फिर वह मानती है कि उसे इस सब से बहुत ज़्यादा फ़र्क़ तुरंत तो नहीं ही पड़ेगा। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का मानना है कि विपक्ष, ख़ासकर कांग्रेस के पास राहुल गांधी के अलावा और कोई ऐसा मुद्दा नहीं है जो आम जनता से उसे सीधे तौर पर जोड़ता हो। उसकी नजर में महंगाई या पेट्रोल के दाम या गैस सिलेंडर की क़ीमत अब कोई चुनावी मुद्दा नहीं बनेगा। लोगों को कोई ख़ास फ़र्क़ भी नहीं पड़ता। ऐसा होता तो पिछले चुनाव में ही भाजपा की सत्ता ढह जाती।

भाजपा के रणनीतिकारों का मानना है कि रोज़ पेट्रोल या डीज़ल भराने वालों को भी इनका सही भाव पता नहीं होता। कारण साफ़ है- जेब से निकालकर कोई क़ीमत अदा करे तो भाव पता चले। अधिकांश लोग अब कार्ड से पेमेंट करते हैं या फ़ोन पे, गूगल पे से। और फिर उनके पास मौजूद प्रचार तंत्र इस दर्द को दूसरे मुद्दों की मरहम से हवा कर देता है। और यह भी माना जा रहा है कि बेरोज़गारी भी अब ज्वलंत मुद्दा नहीं रहा। सो विपक्ष एक अडानी के नाम पर कब तक चिल्लाता रहेगा? थोड़े दिन में लोग यह नाम भी भूल जाएँगे। और यह मुद्दा भी धार्मिक भावनाओं की आंधी में तिनके की तरह उड़ जाएगा।

सो अब सारा मामला इस बात पर निर्भर है कि राहुल गांधी के मुद्दे को कांग्रेस किस तरह अपनी चुनावी रणनीति में बदलती है? विपक्षी दलों को कितने दिन पर साथ में बांधा जा सकता है? आम चुनाव से पहले कई राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं, वहां यदि इनके हित टकराए तो क्या होगा? और हित तो टकराएंगे। अखिलेश यादव ने पहले ही दिन कह दिया था कि कांग्रेस को क्षेत्रीय दलों की भावनाओं का ध्यान रखना होगा। फिर, महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे सावरकर के मुद्दे पर कांग्रेस को चेतावनी दे रहे हैं। लेकिन यह तय है कि कांग्रेस मामले को गांधी बनाम सावरकर ही बनाकर आगे ले जाएगी। सो, पहले सत्ता से, फिर अपनी ही पार्टी के चुनाव चिन्ह से बेदखल हुए उद्धव क्या करेंगे, यह भी देखना होगा। महाराष्ट्र की राजनीति बहुत तेजी से बदलती जा रही है, इसलिए विपक्षी एकता में महाराष्ट्र की भूमिका भी बदल सकती है।

कुल मिलाकर अभी यह तो नहीं कहा जा सकता कि आम चुनाव तक विपक्षी एकता का यह प्रदर्शन स्थाई हो पाएगा, परंतु यह जरूर माना जा रहा है कि राहुल गांधी का मुद्दा, लंबा खिंचेगा। और सत्तापक्ष के अनुमान से कहीं ज्यादा बड़ा आकार लेता दिख रहा है। रणनीति सभी दल अपनी-अपनी तैयार कर रहे हैं, उसमें लगातार बदलाव भी करना पड़ रहा है, क्या होगा फिलहाल कोई भविष्यवाणी नहीं की जा सकती। लेकिन जैसा सोचा जा रहा है, वैसा तो नहीं होगा, यह तय है।

नईदुनिया का पूर्णविराम...

विजयमनोहरतिवारी

साल 1994 का दिसंबर का महीना नईदुनिया का वह अंतिम शिखर था, जिसके बाद उसकी ढलान है। वह इंदौर में खेल प्रशाल के लोकार्पण का रौनक भरा रमजान है, जब इसके संस्थापक अभय छजलानी शोले के सिप्पी की सफलता के सूचकांक पर थे। इंदौर के इतिहास में वे पहले से ही अंकित थे। प्रशाल के निर्माण ने उनका कद केवड़िया के लौहपुरुष की ऊंचाई पर ला दिया था। एक प्रदर्शनप्रिय शहर में लता मंगेशकर अलंकरण के बाद वह उनका सबसे मनोहारी प्रदर्शन था।

मैं कहता रहा हूँ कि प्रशाल के निर्माण में अभयजी ने जितना समय और जितनी ऊर्जा व्यय की, उतने में वे कम से कम दो राज्यों में दस संस्करण खड़े कर सकते थे। यह वही समय था, जब दैनिक भास्कर एक विशाल मीडिया समूह बनने के लिए आधार बना रहा था। हर दिन अभय छजलानी प्रशाल की परिकल्पना को भूमि पर उतारने के लिए जितना परिश्रम कर रहे थे, सुधीर अग्रवाल उसी इंदौर में दैनिक भास्कर के लिए नए क्षितिज के निर्माण में स्वयं को खपाए हुए थे।

2012 में जब 'पुरानी नईदुनिया' का अंतिम संस्कार उत्तरप्रदेश के जागरण समूह के नवनिर्मित देवी अहिल्या घाट पर हुआ, दैनिक भास्कर 10 राज्यों में 50 संस्करणों की एक समृद्ध श्रृंखला स्थापित कर चुका था, जहाँ हिंदी पत्रकारिता में सर्वाधिक भारी-भरकम जेब वाले संपादक अपनी चमचमाती लंबी गाड़ियों में दृष्टिगोचर थे। विषयांतर न हो अत: मैं अभयजी पर लौटता हूँ।

15 अक्टूबर 1994 को दो बटुक हिंदी पत्रकारिता की इस महान विद्यापीठ में सेवा के योग्य पाए गए थे। पहले प्रवीण शर्मा थे और दूसरा मैं था। दोनों परमाणुओं का परीक्षण आदरणीय अभयजी के करकमलों से हुआ था। परीक्षण सफल रहा था और हम दोनों को प्रूफ डेस्क की अनिवार्य दीक्षा से न गुजारते हुए सीधे सिटी डेस्क पर प्रक्षेपित कर दिया था। हमारी भाषा कुछ मात्रा में इतनी शुद्ध पाई गई थी कि चार-छह महीने प्रूफ की पुरोहिती से बचा लिए गए थे।

बाबू लाभचंद छजलानी, बसंतीलाल सेठिया और नरेंद्र तिवारी की तिकड़ी ने नईदुनिया की विरासत खड़ी थी, जो अपने-अपनी विधाओं में सर्वश्रेष्ठ थे। तीनों के बीच एक सुदृढ़ समीकरण था। संपादक के रूप में एक ऋषि उन्हें मिल गया था, जिन्हें प्यार से सब बाबा कहा करते थे। राहुल बारपुते उनका नाम था। सौभाग्य है कि बाबा की पदचाप पर हमने नईदुनिया में अपने काँपते हुए चरण रखे थे। डेढ़ साल बाद बाबा पंचतत्व में लीन हुए। पचकुइया के धूल भरे मार्गों पर हमने उनकी अंतिम यात्रा में उमड़ पड़े इंदौर को देखा है। उन्हें राजकीय सम्मान से अंतिम विदाई दी गई थी।

शरद जोशी, प्रभाष जोशी और राजेंद्र माथुर के समय के संपादकीय प्रसंग हमारा पत्रकारीय हीमोग्लोबिन बढ़ाया करते थे। ये तीनों अपनी विधाओं में देश के सर्वाधिक सम्मानित लेखक-संपादकों के केवल तीन नाम हैं। तब प्रभाष जोशी अक्सर मोती तबेला के अपने घर आया करते थे। उनकी शिराओं में नईदुनिया का ही रक्त था। शरद जोशी ने हमें अपनी चुटीली रचनाओं में पकड़ा और राजेंद्र माथुर के साथ उनके वैश्विक संचयन में सैर की। वेदप्रताप वैदिक लगभग इन सबका ही एक प्रभावशाली समकालीन व्यक्तित्व है। अभी जब अभयजी सदा के लिए विदा हुए, वैदिकजी स्वर्ग के मार्ग पर उनकी ही प्रतीक्षा कर रहे होंगे। दोनों ने आसपास ही प्रस्थान किया। ये सारे नक्षत्र पत्रकारिता के आकाश में एक साथ चमके थे। अब जरा इंदौर का भाग्य देखिए!

अभयजी के अंतिम संस्कार और अभयजी के उठावने के समाचार और विज्ञापन देखकर लगा सारे शिखर एक दिन उसी शून्य में विलीन हो जाते हैं, एक दिन वे जहाँ से आते हैं! यह जीवन शून्य से शिखर और शिखर से शून्य की यात्राओं की एक अंतहीन चुनौती है। संभवत: इसीलिए हमारे चतुर ऋषियों ने इस चक्र से मुक्ति के लिए मोक्ष की कामनाएँ ठोक दी थी!

1990 नईदुनिया के लिए एक आघात का साल था, जब वह दो हिस्सों में बँट गया। स्वर्गीय नरेंद्र तिवारी की अगली पीढ़ी में दो जोड़ी डॉक्टर-इंजीनियर पिता-पुत्रों ने छजलानी और सेठिया परिवार से अलग मार्ग पकड़ा। उन्हें भोपाल का भाग अपने प्रसार क्षेत्र और भवन-भूखंड सहित प्राप्त हो गया था। विरासत बटती नहीं है। अत: यह विरासत का नहीं, संपत्ति का बटवारा था। उस घटना ने नईदुनिया के कुछ पत्रकारों का भी भाग्य सदा के लिए बदल दिया था। नए शक्तिकेंद्र भोपाल में बने। नईदुनिया से टूटा हुआ समाचार पत्र 'दैनिक' जोड़कर नईदुनिया के नाम से ही भोपाल में देखा गया। मूल नईदुनिया ने 'राज्य की नईदुनिया' निकाल दी।

नईदुनिया को छोड़कर सब फर्राटे से आगे निकल गए!नईदुनिया का पाठक चकरा गया। जहाज दोनों के डूबे। इंदौर की नईदुनिया ने अपने लिए भारत में तीव्र प्रसार के सारे मार्ग स्वयं मजबूती से बंद कर लिए। नियति दैनिक भास्कर की ऐतिहासिक अश्वमेध यात्रा के लिए एक और पिता-पुत्र को नईदुनिया के लिए चोट खाए हुए उसी भोपाल में चुन रही थी। वे थे रमेशचंद्र अग्रवाल और उनके सबसे बड़े सुपुत्र सुधीर अग्रवाल। शून्य हों या शिखर, दोनों की सत्ताएँ क्षणभंगुर हैं! कल के शून्य आज के शिखर हैं। आज के शिखर कल के शून्य हो सकते हैं! कोई भी पतन सिर्फ कुछ समय ले सकता है, किंतु तय मानिए कि वह नियति है!

अधिकारपूर्वक लिखने के लिए आलोक मेहता अकेले हैं, जो नईदुनिया के उस वैभव से नईदुनिया के इस पराभव के निकट साक्षी हैं। उनकी अनुभव सीमा अभयजी से विनयजी तक विस्तृत है। दिल्ली के बुर्ज पर बैठकर उन्होंने नईदुनिया के इन दो बिंदुओं के बीच गाजे-बाजे से निकली दैनिक भास्कर की अश्वमेध यात्रा के विस्मयकारी दर्शन भी किए हैं। क्या कहानी उनके पास होगी?

दिसंबर 1994 में केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री अर्जुनसिंह प्रशाल प्रसंग में आए थे। नए-नए बने मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह भी। सत्ता के अधिकतर चमकते शिखर कांग्रेस के थे। महेश जोशी, कृपाशंकर शुक्ला, उजागर सिंह, डॉ. रेखा गाँधी, सुरेश सेठ, पंकज संघवी, अश्विन जोशी, रामेश्वर-सत्यनारायण पटेल, सज्जन वर्मा, मधुकर वर्मा मंचों के आकर्षण थे।

प्रशाल ने इंदौर में एक ऊर्जा पैदा कर दी थी। वह आधुनिक इंदौर के एक परिचय के रूप में सबके बीच उतारा गया। अभयजी अपने जीवन के एक सबसे शानदार दिन के समापन पर गहरे रंग के सूट टाई में उस दिन कार्यालय में आए तो हम सबने उनमें एक साथ होली-दिवाली के उत्सव दर्शन किए थे। वह उनके जीवन में आई अंतिम प्रसन्नता थी। एक अपार, सच्ची और अंतिम प्रसन्नता!

दो वर्ष बाद। देर रात सराफे की चाट खाकर सोए शहर को एक प्रात: कुछ विशेष होर्डिंग चौराहों पर दिखाई दिए। उन पर लिखा था-'एक लाख प्रतियाँ समारंभ।' दैनिक भास्कर ने इंदौर में एक लाख प्रतियों के प्रसार का दावा कर नईदुनिया में हलचल पैदा कर दी थी। ऐश्वर्या राय के साथ संभवत: शाहरुख खान की एक रैली के अलावा सयाजी में कई दिन चले उत्सव के रूप में सुधीर अग्रवाल ने भी अपने जीवन के एक सर्वाधिक प्रसन्नतादायी दिन का आरंभिक अनुभव किया था। एक दशक से अधिक की तपस्या के बाद नईदुनिया की सीमा में वे चढ़ बैठे थे। उस चमकदार दिन भी वे राजस्थान में जयपुर का सपना बुन रहे थे। हिंदी पत्रकारिता में वे एक नए दौर के निर्णायक बने!

डरी-सहमी नईदुनिया पर धूल उड़ने लगी थी। तब भी कुछ लोग थे, जो अभयजी के आसपास दैनिक भास्कर की केवल खिल्ली उड़ाना जानते थे। ऐसी स्तुतियों ने अभयजी को सच्चाई का अनुभव करने ही नहीं दिया। अभयजी अंत को स्वीकार कर चुके थे! सुधीर अग्रवाल की टक्कर का कोई बिजनेस योद्धा छजलानी परिवार की अगली पीढ़ी में नहीं था। सेठिया परिवार में भी नहीं था। दोनों में संयुक्त नहीं था।

हिस्सा हासिल कर लेना भी एक बड़ी कामयाबी है। राजधानी में बैठकर डॉक्टर डॉक्टरी से और इंजीनियर इंजीनियरी से वंचित हो गया। दो पिता-पुत्र पत्रकारिता की महान विरासत को कहां से कहां ले गए, इस पर केडी शर्मा चाहें तो स्वच्छ सोलर प्रकाश डाल सकते हैं!

नईदुनिया के हॉल में उस कठिन समय में अभयजी की उपस्थिति गरिमामय और प्रभावशाली थी। हमने नईदुनिया के महान अतीत के रोमांचकारी अनुभव जय सिंह और रवींद्र शुक्ला से सुने। नईदुनिया के परिसर में एक अलौकिक सुगंध थी। पुरखों के संचित पुण्यों का प्रताप छपे हुए अखबार की गंध में धूपबत्ती की भांति वायु में विलीन होता रहता था। अपने जादुई जगत में अभयजी हम सबके सिर पर मंडराते अंधकारमय भविष्य से अनभिज्ञ रहते हुए अगले लता मंगेशकर अलंकरण की बैठकों में समय व्यतीत करते और रात आकर केवल यह तय करते कि अखबार में वह कहाँ कितना किस फोटो के साथ छपेगा और उसका कैप्शन क्या होगा।

ऐसा उनका अपना एक जादुई जगत था, जो रोटरी क्लब के आयोजनों से लेकर खेल समारोहों में हर दिन दो या तीन बार चमचमा रहा था। अक्सर तय करना मुश्किल होता कि अभयजी को किसी पेज पर छपने से कैसे छोड़ें। वे मुस्कराकर कहते, यार दिलीप, गावड़े साब से कहना कि ये किक्रेट का फोटो वो ले लें, सिटी में पहले से ही तीन कार्यक्रमों के फोटो हैं। फिक्की वाला बहादुरसिंह को दे दो। साल में दो-चार बार ऐसे किसी दृश्य में जब अभयजी फोटो के निर्णय कर रहे होते, एक भद्र और शिष्ट मूर्ति अभयजी के केबिन में प्रतीक्षारत् होतीं। हम सब उन्हें नमस्ते कहा करते थे। वे पुष्पा मित्तल थीं!

आज सोचता हूँ तो लगता है कि किसी ने सत्य ही कहा है, मनुष्य अपनी नियति स्वयं लिखता है! अभयजी अत्यंत प्रतिभाशाली और विलक्षण गुण संपन्न व्यक्ति थे, इस पर उनके आलोचक भी मुहर लगाएँगे। वे असाधारण थे। वे अथाह शक्ति के धनी थे। लेखनी ऐसी कि किसी अखबार मालिक की क्या होगी। प्रबंधन की दक्षता ऐसी जो किसी पत्रकार में तो क्यों होगी? कभी किसी ने किया नहीं, किंतु अभयजी के आसपास मंचों की रौनक के केंद्र रहे संजय पटेल सहमत होंगे कि अभयजी की आवाज में रेडियो पर प्रभावी वॉयस ओवर किसी भी पेशेवर उदघोषक से अधिक प्रभावी हो सकते थे।

वे शब्दों का प्रयोग सावधानी से करते थे। बोलने में भी, लिखने में भी। उनकी डायरियाँ सबके लिए खुली थीं। वे कई दिशाओं में सोचने और कर सकने में एक साथ सक्षम दुर्लभ संपादक थे। विधायकों के टिकटों से लेकर मंत्रियों के विभागों तक, अफसरों की बदली से लेकर सरकार की नीतियों की उलझनों के बीच प्रशाल निर्माण करते हुए वे भूल गए थे कि नईदुनिया पर ग्रहण लग चुका है! किंतु क्या चमत्कार है कि उस डूब क्षेत्र में 'प्रतिभावान भूअर्जन अधिकारियों' के भाग्य उदय हो रहे थे! हर पड़ाव पर एक उपन्यास की सामग्री भरपूर है!

नौ साल उनके साथ काम करते हुए मैंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर्वाधिक चर्चित हिंदू संगम को झाबुआ में कवर किया, भोजशाला आंदोलन ने मुझे परमारों के महान वैभव से ऐसा साक्षात कराया कि उनका आशीर्वाद मुझे उदयपुर में मिल रहा है, मैं स्वाध्याय परिवार के उन गाँवों में गया, जहाँ देश के एक महान सपूत ने दूरदराज के भारत की नियति बदलकर रख दी थी, वे गाँवों के लिए आशा की एक किरण हैं। शायद ही हमारी कोई कहानी छपने में छूटी हो। भोजशाला की रिपोर्टिंग के बाद एक लंबे लेख का शीर्षक था- राजा राजा के फर्क को रेखांकित करती भोजशाला, कहाँ राजा भोज, कहाँ दिग्गी राजा! मुस्कुराकर अभयजी ने अंतिम शब्द हटाकर पूरा छापा था!

अभयजी ने हमें सिटी की सीमाओं से पार का योद्धा स्वीकार कर लिया था। तभी तो हम रविवारीय में भी छपते, धड़कन में भी, पुस्तक में भी, पुस्तक समीक्षा में भी और आउटडोर भी। प्रवीण शर्मा की भुज की रिपोर्टिंग किसे याद नहीं है? इस विषय में विकास मिश्र को भी जोड़ते हुए कहूंगा कि हमें यह स्वीकार करने में संकोच नहीं, गर्व है कि हम सबकी दीक्षा में अनेक आशीर्वाद अभयजी के भी हैं।

जो भी हो अभयजी का अपना सिग्नेचर स्टाइल था,जिस पर जयश्री पिंगले अच्छा लिख सकती हैं। उन्होंने अपने हिस्से का यश प्रत्येक दिशा से कमाया। नईदुनिया की नियति उनके सहारे टिकी थी। इस बिंदु पर आकर मुझे महेंद्र सेठिया याद आए हैं, जो अभी कुछ ही समय पहले नहीं रहे हैं। वे होते तो पता नहीं कौन सा अज्ञात अध्याय खोलते!

कभी-कभी सोचता हूं कि राजधानी के अपने ड्राइंगरूमों में बैठे डॉक्टर-इंजीनियर पिता-पुत्र अपनी अगली पीढ़ी को कौन सी कहानी सुनाते होंगे? उनकी दीवारों पर किनकी तस्वीरें होंगी? इंदौर में सेठियाजी के वारिसों में कौन किस काम में लगा होगा और उनके पास उषानगर एक्सटेंशन के नरेंद्र तिवारी मार्ग की क्या स्मृति होगी? क्या वे तिवारीजी के बारे में चर्चा करते होंगे? इंदौर में छजलानी परिवार की चहलपहल में विनयजी के लिए इस अतीत के क्या मायने होंगे? विनयजी की अगली पीढ़ी किस लोक में होगी? जयदीप कर्णिक या किशोर भुराड़िया लिखें तो नामालूम कहानी का कौन सा एंगल निकले!

अभयजी की नईदुनिया की दीवारों पर नरेंद्र तिवारी ही नहीं, राहुल बारपुते, राजेंद्र माथुर और प्रभाष जोशी सब गायब थे। वहाँ केवल अभयजी थे। अभयजी अपने शिखर पर थे। उनके कठोर डग थे। उनके सधे कदम थे। मगर अभी 2018 में वे अपने पासपोर्ट के काम से भोपाल आए तो चिंतित थे कि ऑफिस में पता नहीं कितना समय लगे।

मेरे पास उनका फोन आया। मैं दैनिक भास्कर में था। एक अनुभवी रिपोर्टर को इस काम में लगाया कि आदरणीय अभयजी को पाँच मिनट भी प्रतीक्षा न करनी पड़े। उसने अभयजी का केवल नाम सुना था। उसके मन में अभयजी के प्रति भरपूर आदर था। कुछ ही मिनट में पासपोर्ट ऑफिस से मुक्त हुए तो खुश होकर अभयजी मेरे कार्यालय में आए। वह मेरे जीवन का कंपित कर देने वाला अनुभव है। वे मेरे छोटे संकरे केबिन में साथ बैठकर काँच महल के रूप में दैनिक भास्कर का विशाल न्यूजरूम देख रहे थे। बीते 25 साल उनकी आँखों में तैर गए होंगे। ये वो अखबार था, जिसे कभी गिनती में नहीं लिया था!

मैंने उस दिन उन्हें उल्लासपूर्वक सबसे मिलवाया। बीच के वर्षों में राहुल बारपुते के जीवन वृत्त पर लिखते हुए उनसे लगातार इंदौर में मिलना हुआ था। हरसूद की किताब ने हमारे संबंधों की गाँठ और मजबूत कर दी थी। अंतिम मुलाकात कोविड के आसपास की है। कमलेश सेन और मोहन वर्मा को याद होगा। लालबाग पैलेस से सटे उसी किंतु पूर्णत: परिवर्तित नईदुनिया के परिसर में बैठकर हमने देखा कि अभयजी की स्मृतियाँ गड्?डमड्?ड हो रही थीं। उस दोपहर विनय छजलानी की पूज्य माताजी मुझसे कह रही थीं कि विजय, तुम्हें नईदुनिया की कहानी लिखनी चाहिए। सबकी सच्चाई लिखनी चाहिए। इन्होंने कैसे लोगों पर भरोसा किया। मैंने सिर्फ सुना। विस्तार में नहीं गया। अभयजी मौन थे! वे स्मृतियों के पार हो रहे थे!

लिखने के लिए तो मैं उन सबसे निवेदन करूंगा, जो किसी भी कालखंड में नईदुनिया में रहे या अभयजी के संपर्क में रहे। नागपुर में विकास मिश्र और मणिकांत सोनी, दिल्ली में आलोक मेहता, यशवंत व्यास, रामशरण जोशी और सुरेश बाफना, जम्मू में सुरेश डुग्गर, इंदौर में श्रवण गर्ग, रवींद्र शुक्ला, प्रकाश हिंदुस्तानी, सुरेश ताम्रकर, मुकुंद कुलकर्णी, सतीश जोशी, गोविंद मंघानी, भोपाल में उमेश त्रिवेदी, एनके सिंह, राजेश बादल, शिवकुमार विवेक, राजेश सिरोठिया, राजीव सोनी के अलावा पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी और पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर। और भी हैं। जैसे कमलेश पारे... सबसे कनिष्ठ होने के नाते सबसे मेरा प्रश्न है कि अभयजी के उज्जवल प्रकाश में नईदुनिया के विनाशकारी विसर्जन के कारण और उन कारणों के सूक्ष्म विश्लेषण भी बताएँ...

पता नहीं मुझे क्यों लगता है कि नईदुनिया बिकना नहीं था। वह हिंदी पत्रकारिता की महान धरोहर थी। वह इंदौर की सामूहिक धरोहर थी। वह प्रदेश का प्रकरण था। वह संपत्ति हो सकता है कि छजलानी, सेठिया या तिवारी परिवार की मानी जाए, लेकिन वह इंदौर की विरासत थी। क्या इंदौर का सबल समाज उतने रुपए इकट्ठा करके नहीं दे सकता था कि संकट टल जाते। निस्संदेह वह चाहता तो स्वामित्व की सामाजिक शर्तें तय करता। नईदुनिया एक समय इंदौर की प्राण शक्ति थी। यह आईआईएम इंदौर के लिए एक केस स्टडी है।

आज भी इंदौर जाता हूं। 2012 के बाद एक कमी हर बार खलती रही। इंदौर में होकर उस नईदुनिया की कमी। जिसमें अभयजी अपने रुतबे में नज़र न आते हों, वह कैसी नईदुनिया! अपनी नईदुनिया से वह रिश्ता टूटते ही अभयजी अकेले पड़ गए। स्मृतिलोप होने तक यह एकांत के अनेक विस्तृत और सुनसान वर्ष थे।

अभी-अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आवाज से गूंजता प्रवासी भारतीय समागम अभय प्रशाल में नहीं, एक अलग इलाके में और भी भव्य कन्वेंशन सेंटर में हुआ। इंदौर की रौनकें नए रास्तों पर जा टिकी हैं। अपने एकांत में तब व्हील चेअर पर अभयजी की आँखें क्या देख रही होंगी? एक सूर्य ने स्वयं को पूर्णत: निस्तेज होते हुए देखा! यह नईदुनिया का पूर्णविराम है!

भागवत,मोदी, शाह, नड्डा, राजनाथ... भाजपा को मिलता दिग्गजों का साथ

कौशल किशोर चतुर्वेदी

मध्यप्रदेश के लिए 2023 का चुनावी साल भाजपा बहुत कुछ खास है। संघ और भाजपा के दिग्गज नेताओं का मध्यप्रदेश आना लगातार जारी है। 25 मार्च को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छिंदवाड़ा आए और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर जमकर बरसे। ऐलान किया कि छिंदवाड़ा फतह करना पार्टी का लक्ष्य है। 26 मार्च को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भोपाल आए और प्रदेश कार्यालय के नए भवन का भूमिपूजन किया। कार्यकर्ताओं और प्रबुद्ध वर्ग समागम को संबोधित किया। मन की बात भी सुनी। मार्च में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत भोपाल पहुंच रहे हैं और 31 मार्च को केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और एक अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भोपाल आ रहे हैं। वह कमांडर्स सम्मेलन में भाग लेंगे। इसमें शामिल होने मंत्री राजनाथ सिंह और तीनों सेना अध्यक्ष भी 31 मार्च को भोपाल आएंगे। भोपाल में तीनों सेनाओं के कमांडर्स का दो दिवसीय सम्मेलन होने जा रहा है।

दुनिया में कुछ देशों के बीच चल रहे तनाव के साथ ही रूस व यूक्रेन के बीच युद्ध से उपजे नए हालातों पर इस सम्मेलन में मंथन किया जाएगा। पूर्वोत्तर देशों में जारी सैन्य गतिविधियों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। 24 अप्रैल को एक बार फिर पीएम जनता के कार्यक्रम में शामिल होने आएंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत भी 31 मार्च को भोपाल आ रहे हैं। वे यहां सिंधी समाज द्वारा लाल परेड मैदान में आयोजित समारोह को संबोधित करेंगे। मोहन भागवत जहां संघ का सबसे बड़ा चेहरा हैं, तो मोदी पार्टी का सबसे बड़ा चेहरा हैं। शाह इस दौर में भाजपा के दूसरे सबसे बड़े दिग्गज नेता हैं। जेपी नड्डा भाजपा संगठन के सबसे बड़े पद पर काबिज हैं। तो राजनाथ सिंह रक्षा मंत्री के साथ-साथ मोदी सरकार का शाह के बाद सबसे प्रमुख चेहरा हैं। बात यही कि राजधानी भोपाल में चुनावी साल में सारे दिग्गजों का आना-जाना जारी है और यह सिलसिला लगातार चलने वाला है। सरकार के मुखिया शिवराज और संगठन के मुखिया विष्णु दत्त शर्मा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए यह अवसर खास हैं तो चुनावी साल में गिले-शिकवे दूर कर मन को निर्मल कर पराश्रम की पराकाष्ठा को प्रेरित करने वाले क्षण भी हैं।

भाजपा अब पूरी तरह से चुनावी मोड में है। शाह ने छिंदवाड़ा आकर शाही ऐलान किया कि मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव में भाजपा सभी 29 सीटें जीतेगी। तो कांग्रेस के मध्यप्रदेश में सर्वेसर्वा कमलनाथ को कटघरे में खड़ा किया। नड्डा आए तो उन्होंने 2023 विधानसभा चुनाव में दो सौ पार का लक्ष्य हासिल करने बूथ पर मेहनत करने की सीख दी। तो मोदी की उपलब्धियों को सिलसिलेवार गिनाते हुए उन्हें देश ही नहीं दुनिया का सबसे दमदार नेता बताया। अब जब संघ प्रमुख मोहन भागवत आएंगे तो यह बात साफ है कि राष्ट्र प्रेम की धारा बहेगी। वे यहां सिंधी समाज द्वारा लाल परेड मैदान में आयोजित समारोह को संबोधित करेंगे।हिन्दुत्व और धर्मांतरण जैसे मुद्दों का जिक्र भी हो सकता है। राजनाथ सिंह भी रक्षा क्षेत्र की उपलब्धियों सहित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच और उपलब्धियों का

ब्यौरा देंगे। और फिर मोदी जब आएंगे तो राहुल गांधी का जिक्र होना लाजिमी है। परिवारवाद और देश की छवि बिगाड़ने जैसी बातें भी जुबां पर आ सकती हैं। तो दुनिया में भारत की छवि उच्चतम शिखर पर पहुंचने की बात भी हो सकती है।

सबसे महत्वपूर्ण है सरसंघचालक मोहन भागवत का आना। सिंधी समुदाय से सीधा संवाद। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत भेल दशहरा मैदान पर सिंधी समाज के कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में देशभर से सिंधी समाज के करीब एक लाख लोग शामिल होंगे। विदेशों में रह रहे सिंधी समाज के एनआरआई, सिंधी समाज के संत अपनी संगतों के साथ आएंगे। इसके साथ ही सिंधी समाज के आईएएस, आईपीएस अफसर और खिलाड़ी, पद्मश्री से सम्मानित लोग भी शामिल होंगे। इस कार्यक्रम स्थल पर तीन प्रदर्शनियां भी लगाई जाएंगी। इनमें एक प्रदर्शनी सिंध प्रांत (पाकिस्तान) पर आधारित होगी। सिंध प्रांत में जो मुख्य स्थान थे, उनका एक बड़ा नक्शा बनाकर अपने पूर्वजों के निवास वाले शहरों को पहचानने के लिए सिंधी समाज के लोगों के बीच प्रतियोगिता कराई जाएगी। दूसरी प्रदर्शनी सिंधी समाज के संतों के जीवन परिचय से जुड़ी होगी। तीसरी प्रदर्शनी स्वतंत्रता के आंदोलन में योगदान देने वाले सिंधी समाज के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर आधारित होगी। भागवत की मौजूदगी यानि सिंधी समाज का संघ प्रेम और भाजपा से जुड़ाव और ज्यादा मजबूत होगा।

आश्चर्य की बात नहीं है बल्कि यह भाजपा का विजन है कि चुनाव वाले राज्यों में करीब एक साल जनता के बीच इतनी बार जाओ कि उन्हें सरकार की उपलब्धियों का पूरा भरोसा हो जाए और सरकार की राष्ट्रहित की सोच पर उनकी मुहर लग जाए। उत्तर पूर्व के तीन राज्यों में भाजपा की फतह पार्टी की इसी रणनीति का नतीजा है।? इससे पहले गुजरात की ऐतिहासिक जीत सबके सामने है। हालांकि हिमाचल को खोया है, पर हौसला हिमालय को छू रहा है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे कांग्रेस शासित राज्यों पर भी भाजपा की नजर है तो मध्यप्रदेश में पारी जारी रखने का विश्वास भी है। दिग्गज आते रहेंगे और भाजपा की जीत का मंत्र गुनगुनाते रहेंगे, क्योंकि यह साल चुनावी है। और अगला साल आम चुनावी है, जिसमें मोदी सरकार की हैट्रिक पर दुनिया की नजरें रहेंगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

लाड़ली बहना योजना में लापरवाही न हो: कलेक्टर

शिवपुरी - कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी ने सोमवार को आयोजित टीएल बैठक में सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए निराकरण करें। कलेक्टर चौधरी ने लाड़ली बहना योजना की समीक्षा की। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों को भी निर्देश दिए हैं जिनकी ड्यूटी लगाई गई है वह अपने क्षेत्र में मॉनिटरिंग करें और भ्रमण करें। कहीं कोई समस्या है उससे अवगत कराएं। लाडली बहना योजना के काम में शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। उनका प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। जिनकी ड्यूटी लगाई गई है वह उपस्थित रहें। अभी आधार अपडेशन के लिए पोस्ट ऑफिस में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ हो रही है आधार अपडेशन के अन्य केंद्र भी हैं उसकी भी जानकारी प्रसारित करें, जिससे लोग सुविधा से आधार अपडेशन करा सकें। इसके अलावा बोर्ड परीक्षाओं के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षाओं में पेपर लीक की शिकायत मिलने पर संबंधित के विरुद्ध तत्काल कार्यवाही करें। कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी ने सभी एसडीएम को भी निर्देश दिए हैं कि आप उपार्जन प्रक्रिया शुरू होगी जिन लोगों ने पंजीयन कराएं हैं उनका पंजीयन सत्यापन का काम होना है सभी तहसीलदार और एसडीएम द्वारा पंजीयन सत्यापन किया जाए। अभी पेंशन कार्यालय में तीन दिवसीय पेंशन शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिन विभागों के पेंशन प्रकरण लंबित हैं और अपने कर्मचारियों के प्रकरणों का निराकरण कराएं बिना किसी कारण के प्रकरण लंबित रहे तो संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही होगी।

महावीर जयंती का सार्वजनिक अवकाश 3 अप्रैल को

खण्डवा। सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय से प्राप्त जानकारी अनुसार राज्य शासन द्वारा समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 19 दिसम्बर, 2022 में आंशिक संशोधन करते हुए सोमवार दिनांक 3 अप्रैल, 2023 को महावीर जयंती के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेन्टस् एक्ट 1881 के अंतर्गत सार्वजनिक तथा सामान्य अवकाश का दिन घोषित किया गया है। राज्य शासन द्वारा पूर्व में महावीर जयंती पर्व पर मंगलवार दिनांक 4 अप्रैल, 2023 को घोषित अवकाश निरस्त किया गया है।

नर्मदापुरम रेंज के नवागत आईजी इरशाद वली ने पदभार संभालते ही दिखाए तेवर

जिले भर के पुलिस अधिकारियों की बैठक लेकर बेहतर कानून व्यवस्था बनाने के दिये निर्देश

नर्मदापुरम। अपनी तेज तर्रार कार्यशैली के लिए प्रदेश भर में पहचाने जाने वाले युवा आईपीएस अधिकारी इरशाद वली ने सोमवार को नर्मदापुरम पुलिस रेंज के आईजी का पदभार ग्रहण किया। राज्य शासन ने आईपीएस दीपिका सूरी के स्थान पर श्री वली की पदस्थापना की है। सोमवार को नवागत आईजी इरशाद वली ने संभागीय मुख्यालय स्थित आईजी आफिस में कार्यभार संभाला। इस मौके पर उन्होंने मातहत अधिकारियों के साथ परिचय बैठक भी ली। पदभार ग्रहण करने पर उनका पुष्प गुच्छ भेंट कर पुलिस अधिकारियों ने स्वागत किया। इरशाद वली काफी समय तक राजधानी भोपाल में पदस्थ रहे। उन्हें लॉ एंड आर्डर से जुड़ी सिचुएशन हैंडिल करने में मास्टर माना जाता है। इस मौके पर मीडिया से रूबरु हुए नए आईजी ने श्री वली ने कहा है कि जनसेवा पुलिस का सूत्रवाक्य है, इस पर अमल करने में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी, लेकिन अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर सख्ती के साथ नकेल कसी जाएगी। पीड़ितों को इंसाफ दिलाने, उनकी मदद करने के लिए पुलिस चौबीस घंटे तत्पर रहेगी, लेकिन माफिया को किसी भी रूप और किसी भी हालत में नहीं पनपने दिया जाएगा। अपराधी कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा। बता दें कि नर्मदापुरम के नवागत आईजी इरशाद वली प्रदेश के विभिन्न जिलों में अपनी सेवाएं

दे चुके हैं। प्रदेश के सिंगरौली, मुरैना, सतना, दतिया में पुलिस अधीक्षक रहे हैं। साथ ही बालाघाट, भोपाल में डीआईजी के पद पर पदस्थ रहे हैं। इसके बाद वह भोपाल में आईजी रहते हुए नर्मदापुरम में पुलिस महानिरीक्षक के पद पर स्थानांतरित हुए हैं।

साइबर क्राइम से बचाने के लिये आम लोगों को किया जायेगा जागरूक नवागत आईजी ने कहा कि अपराधों की रोकथाम के साथ ही कानून और व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में काम किया जाएगा। साथ ही साइबर क्राइम से बचाने के लिए भी लोगों को जागरूक किया जाएगा। लोगों को लालच देकर, झांसा देकर, या अन्य और भी तरीकों से साइबर ठगी का शिकार बनाया जा रहा है, साइबर ठग शातिर होते हैं और लोगों को अपने जाल में फंसा लेते हैं। इस ठगी से बचाने के लिए पुलिस अवेयरनेस कैंपेन भी चलाएगी।

(बॉक्स में लगाएं) पुलिस जनता की मदद के लिए, जनता भी आगे आकर पुलिस का सहयोग करे- आईजी दैनिक सांध्य प्रकाश से चर्चा में नवागत आईजी ने कहा कि पुलिस जनता की सेवा के लिए है, सतत, निरंतर, बिना रूके, बिना थके आमजन की सेवा और समस्या निराकरण के लिए तत्पर है। इसलिए कानून और व्यवस्था की आदर्श स्थिति बनाए रखने, अपराधों की रोकथाम और अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए जनता को भी पुलिस के सहयोग के लिए आगे आना चाहिए। आमजन ही पुलिस के आंख और कान होती है, अपने आसपास या संपर्क में किसी भी आसामाजिक गतिविधियों की जानकारी, किसी भी घटना दुर्घटना की सूचना साक्ष्य पुलिस तक पहुंचाकर आमजन पुलिस की मदद कर सकते हैं। पुलिस और समाज एक दूसरे के पूरक हैं, एक अच्छा और आदर्श समाज बनाने में सभी का सहयोग जरूरी है। महिला सुरक्षा के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि महिलाओं से जुड़े अपराधों पर विशेष रूप से कार्यवाही की जाएगी। इस दिशा में पहले से काम चल रहा है उसे और भी प्रभावी बनाया जाएगा। महिलाओं की सुरक्षा प्राथमिकता रहेगी। शहर के यातायात व्यवस्था को लेकर कहा कि जहां भी यातायात में समस्या होगी, उन स्थानों को चिन्हित कर यातायात की व्यवस्था को सुचारू कराया जाएगा।

एसएसपी चंदेल ने भदौरिया को सौंपा चार्ज

शिवपुरी - बीते जिले के नवागत पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह भदौरिया ने जिला मुख्यालय पहुंचकर पदभार ग्रहण कर लिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल ने सोमवार को भदौरिया को चार्ज सौंपा एवं ग्वालियर जा कर पदभार लिया,चंदेल का स्थानांतरण शिवपुरी से ग्वालियर किया गया है। रघुवंश सिंह भदौरिया सोमवार को शिवपुरी आए जहां एएसपी प्रवीण भूरिया सहित एसडीओपी अजय भार्गव, कोतवाली टीआई अमित भदौरिया, देहात थाना प्रभारी विकास यादव,फिजीकल थाना प्रभारी अरविंद छारी सहित यातायात प्रभारी ने उसका स्वागत किया

वहीं उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल से मुलाकात करते हुए उन्हें ग्वालियर पुलिस अधीक्षक बनने की बधाई दी। उसके बाद एसपी राजेश सिंह चंदेल ने उन्हें विधिवत रूप से शिवपुरी जिले का चार्ज सौंपा। उसके बाद राजेश सिंह चंदेल ग्वालियर चार्ज लेने के लिए रवाना हो गए।

4 अप्रैल को घोषित अवकाश शासन ने किया निरस्त अब 3 अप्रैल को होगा महावीर जयंती अवकाश

इटारसी //बोर्ड परीक्षा पांचवी और आठवीं के पेपर को लेकर असमंजस में है शिक्षा अधिकारी, राज्य शासन ने 4 अप्रैल को महावीर जयंती पर घोषित अवकाश आदेश निकाल कर निरस्त कर दिया है। अब महावीर जयंती का अवकाश 3 अप्रैल को होगा। इधर राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा संचालित की जा रही बोर्ड परीक्षा में गणित का पेपर 3 अप्रैल को रखा गया है। टाइम टेबल में 3 अप्रैल को गणित का पेपर होना निर्धारित है।इस संबंध में जब डीपीसी श्री कुंभारे से बात की गई तो उन्होंने बताया कि अभी 3 अप्रैल आने में काफी टाइम है उस वक्त निर्णय ले लिया जाएगा उनके अनुसार अभी राज्य शिक्षा केंद्र से इस मामले में कोई निर्देश नहीं आए हैं। इधर सोमवार को कक्षा आठवीं के सामान्य विज्ञान पेपर स्टाग्राम के माध्यम से व्हाट्सएप पर लोगों तक पहुंच गया इस बारे में भी डीपीसी को कोई जानकारी नहीं है,अगर वह पेपर ली हुआ है तो इसे इसमें राज्य शिक्षा केंद्र को कार्रवाई करना चाहिए और अगर इंस्टाग्राम पर डाली गई लिंक गलत है तो उसे भी रोकना चाहिए क्योंकि इससे छात्र भ्रमित हो रहे हैं। इस मामले में डीपीसी श्री कुंभारे से जब बात की तो उन्होंने बताया कि उनकी जानकारी में यह बात नहीं है नर्मदापुरम के बीआरसी आनंद शर्मा ने बताया कि यह सब फर्जी है इस पर लोगों को विश्वास नहीं करना चाहिए।

आठवी एवं पांचवी कक्षा की बोर्ड पैटर्न पर परीक्षा बरसों बाद पहली बार ली जा रही है।पहली बार ही यह बच्चे बोर्ड पैटर्न पर परीक्षा देने अपने स्कूल को छोड़कर अन्य केंद्रों पर जाकर पेपर दे रहे हैं।25 मार्च को प्रथम पेपर के जो गलतियां हुई थी वही फिर दोहराई गई। बीआरसीसी शर्मा के संज्ञान में यह बात प्रथम प्रश्न पत्र के दौरान दी गई थी कि जिन स्कूलों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है, उन स्कूल के बच्चे भी उसी केंद्र में परीक्षा दे रहे हैं और उनके शिक्षकों की ड्यूटी भी उन्हीं केंद्रों में लगाई गई है, जिस का भरपूर लाभ उठाते हुए शिक्षक अपने स्कूल के बच्चों को प्रश्नों के उत्तर ना केवल बता रहे हैं बल्कि प्रश्न पत्र में निशान लगाकर भी दे रहे हैं, बीआरसी आनंद शर्मा के संज्ञान में 1 दिन पूर्व बात लाई गई थी तब उन्होंने कहा था कि ऐसा नहीं होगा जिन स्कूलों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है, उन स्कूलों के शिक्षक की ड्यूटी केंद्रों पर नहीं लगाई जाएगी। लेकिन सोमवार 27 मार्च के प्रश्न पत्र में भी वही हुआ स्कूलों के बच्चों ने बताया कि संबंधित स्कूल के शिक्षकों ने उनके स्कूल के बच्चों को प्रश्नों के उत्तर बताएं बीआरसी आनंद शर्मा ने कहा कि अगले प्रश्नपत्र के दौरान उड़न दस्ते की टीम जाकर निरीक्षण करेगी कि जिन स्कूलों में केंद्र बनाए गए हैं उनके शिक्षक वहां पर उपस्थित तो नहीं है । उन्होंने कहा कि ऐसे केंद्रों के स्कूल संचालकों पर कार्रवाई की जाएगी।

वर्षा एवं ओलावृष्टि से लगभग 621.12 हेक्टेयर रकबा प्रभावित

खण्डवा। संयुक्त कलेक्टर एवं प्रभारी भूअभिलेख खण्डवा द्वारा बताया गया है कि विगत 17 मार्च, 2023 एवं उसके पश्चात असामयिक वर्षा, ओलावृष्टि से तहसील खण्डवा, हरसूद, पंधाना, पुनासा एवं खालवा में कुल 44 ग्रामों की लगभग 621.12 हेक्टेयर रकबा के लगभग 877 कृषक प्रभावित हुए है। इसमें चना, तरबूज, प्याज, मूंग, टमाटर, बैंगन व अरबी की फसल मुख्य रूप से प्रभावित होने संबंधी तथा जिले में आकाशीय बिजली गिरने से 2 जनहानि एवं 1 पशुहानि की जानकारी प्राप्त हुई है।

नैनपुर में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

नैनपुर कांग्रेस पार्टी के द्वारा स्थानीय ब्लॉक कॉलोनी एलआईसी के सामने धरना प्रदर्शन किया गया लोकसभा से राहुल गांधी की सदस्यता निरस्त किए जाने को लेकर ब्लॉक एवं नगर महिला कांग्रेस युवक कांग्रेस एनएसयूआई के द्वारा धरना प्रदर्शन एवं पुतला दहन नरेंद्र मोदी का किया गया पुलिस ने जलते हुए पुतले को पानी से बुझाकर कब्जे में लिया राहुल गांधी जी निरंतर लोकसभा में अदानी मुद्दे को लेकर आक्रमक थे जिससे बीजेपी सरकार डरी हुई थी जिसका जवाब बीजेपी की सरकार के पास नहीं था कार्यकर्ताओं द्वारा यह बताया गया कि हमारा एलआईसी के सामने धरना प्रदर्शन इसलिए किया जा रहा है क्योंकि लाखों करोड़ों रुपए एलआईसी और रिजर्व बैंक के द्वारा जमा किया जाता है वह पैसा नरेंद्र मोदी सरकार अंबानी और अडानी का कर्ज माफ करने में के लिए लाखों करोड़ रुपए दे रहे हैं जबकि किसान का कर्ज माफी करने के लिए इन्हें बहाने आने लगते हैं वही बताया गया कि नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा निरंतर तानाशाही रवैया अपनाया गया है किसी भी मामले में वह अपनी सरकार की जांच करवाने में डरते हैं विपक्ष द्वारा लगातार जेपीसी की जांच अडानी मामले में करने के लिए लोकसभा में प्रयास किया गया लेकिन उनका यह रिश्ता क्या कहलाता है अडानी के साथ यह वह बोल नहीं पा रहे कार्यकर्ताओं द्वारा बताया गया कि आज महंगाई अपने चरम पर है कैसे लोग अपना लालन-पालन कर रहे यह सरकार नहीं समझ सकती जिस क्षेत्र में गेहूं पैदा होता है वहीं क्षेत्र में कार्यक्रम में उपस्थित प्रदेश महामंत्री गुलाब सिंह उईके ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सरजू प्रसाद तिवारी शंकर पटेल नगर पालिका अध्यक्ष कृष्ण पंजवानी जिला शहरी प्रकोष्ठ अध्यक्ष कमल जयसवाल नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जयंत रंगारी नगर मंडल अध्यक्ष रूप नारायण सोनी राजीव वैष्णव रंजीत उईके संत संत कुमार अंकित शर्मा संतोष मिश्रा फाइन कुरेशी विनोद सूरज सम्मिलित हुए

हर घर नल से जल

हर गांव में जल संरक्षण समिति की करें बैठक: कलेक्टर

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जीआर की अध्यक्षता में सोमवार को जिला पंचायत सभाकक्ष छतरपुर में जल जीवन मिशन की विस्तृत समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार, एसडीएम, सीईओ जनपद, सीएमओ, पीएचई, कॉन्ट्रेक्टर सहित जल जीवन मिशन अंतर्गत सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री जीआर ने जल जीवन मिशन के तहत जिले में क्रियांवित कार्य की प्रगति पर ब्लॉकवार विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि जिन ब्लॉक में कार्य पूर्ण नहीं हुआ है या किन्हीं कारणों से रूका है उसे एक दूसरे से समन्वय स्थापित करते हुए समय सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने सभी कॉन्ट्रेक्टरों को निर्देशित किया कि कार्य की प्रगति में तेजी लाए। उन्होंने सभी को टाइम लाइन देते हुए कार्य को समय से पूरा कर अवगत कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने एसडीएम को सीईओ जनपद व जल प्रदाय कार्य से जुड़े अधिकारियों के साथ हर हफ्ते संयुक्त बैठक कर समीक्षा करने एवं ग्रामों में विजिट करने के स्पष्ट निर्देश दिए। साथ ही हर ग्राम में महीने की प्रत्येक 7 तारीख को ग्राम जल स्वच्छता समिति (व्हीडब्ल्यूएससी) की बैठक करने के निर्देश दिए। जिससे जल सोर्स से जुड़ी समस्या एवं कार्य में प्रगति तथा किए जा रहे कार्य से जुड़ी सामग्री सुरक्षित रहे व लोगों में जागरूकता बढ़े। उन्होंने कहा कि जहां कनेक्शन पूरे नहीं हुए हैं तत्काल करें और कार्य पूर्ण के पश्चात् भी पाइप लाइन इत्यादि में कोई समस्या आने पर टेक्नीकली सपोर्ट करें। उन्होंने कहा कि पूरी टीम एक्टिव तरीके से कार्य करें। उन्होंने कहा कि 2024 तक सभी दूर-सुदूर गांवों के हर घर में नल से शुद्ध पेय जल पहुंचाना है। साथ ही आईईसी गतिविधियों को तेज करने के निर्देश दिए। जिससे लोगों को पानी की व्यर्थता को रोकने के प्रति जागरूक किया जा सके।

नगर परिषद की बैठक में 13 प्रस्ताव पास नगर के विकास में सभी नगर वासी टैक्स जमा कर करें सहयोग:लक्ष्मी चौकसे

औबेदुल्लागंज। आज दिनांक 27 मार्च 2023 को नगर परिषद और ओबेदुल्लागंज सभा कक्ष में दोपहर 2:00 बजे परिषद की बैठक की गई बैठक की अध्यक्षता नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी सोनू चौकसे द्वारा की गई उक्त बैठक में 13 प्रस्ताव प्रेषित किए गए जिसमें सभी बिंदुओं को सर्वसम्मति से सुकृति प्रदान की उक्त बैठक में माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा बिंदु क्रमांक 12 समस्त प्रकार के करो के निर्धारण एवं राशि वसूल किए जाने हेतु नियम अनुसार कार्रवाई करने पर चर्चा की गई तथा बिंदु क्रमांक 13 बजट अनुमान वित्त वर्ष 2023 24 श्री सुजीत यादव अध्यक्ष विधि तथा सामान्य प्रशासन समिति द्वारा बजट पढ़कर सुनाया गया जिस पर विस्तृत चर्चा की गई परिषद सदस्य द्वारा लाभ का बजट होने से धन्यवाद प्रेषित किया गया जिसमें परिषद द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि वसूली की कार्रवाई प्रभावी ढंग से की जाए जो भी बकाया दार कर जमा नहीं करता उसका नल कनेक्शन विच्छेद किया जाए एवं संपत्ति कर जमा न करने पर भवन भूमि कुर्क कर वसूली की जावे माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा अवैध कॉलोनियों को वैध किए जाने के निर्देश बैठक के दौरान दिए गए स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 के तहत नगर परिषद विशेष मुहिम चलाकर जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्यवाही की जावे आज की बैठक में श्रीमती लक्ष्मी सोनू चौक से उपाध्यक्ष नमीता अग्रवाल मुख्य नगर परिषद अधिकारी श्रीमती सोनाली शर्मा पार्षद, सुजीत यादव, शंकरलाल इरपांचे, राजेश खटीक, दीपू परमार प्रमोद सेन सुनील शेरिया श्रीमती सरोज नागर श्रीमती सना आमिर ममनून, श्रीमती हेमलता चौरसिया, श्रीमती भारती सेठी ,उपस्थित रहे।

बैरसिया नगर पालिका का लगभग सौ करोड़ का अनुमानित बजट हुआ पास

तहबाजारी में अवैध वसूली करने पर अब हो सकेगा ठेका निरस्त

बैरसिया। नगर पालिका परिषद की सोमवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष तनुश्री कुलदीप सिंह राठौड़ ने करीब सो करोड़ का अनुमानित बजट पेश किया। बजट सर्व सहमति से पास कर दिया गया है। बजट में अनुमानित आय 99 करोड़ 16 लाख 88 हज़ार 870 रुपये और व्यय 99 करोड़ 16 लाख 73 हज़ार 200 रुपये और 15670 रुपये बचत का पेश किया गया।

बैठक नगर पालिकाध्यक्ष तनुश्री कुलदीप सिंह राठौड़ ने स्वागत भाषण के साथ शुरू की गई। बैठक में सबसे पहले बजट पर चर्चा की गई। इसमें नगर पालिका का यह अभी तक का सबसे बड़ा बजट पेश हुआ है। बजट में इस बार मुख्य रूप से मुख्यमंत्री शहरी पेयजल योजना, नगर में सोलर सिस्टम, सड़क निर्माण, नाली निर्माण, भवन निर्माण, कॉम्प्लेक्स निर्माण, हॉकर्स कार्नर सहित अनेक विकास कार्यों पर सहमति बनकर पास हो गया है।

बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष तनुश्री कुलदीप सिंह राठौड़ ने बिजली खपत पर चिंता जताते हुए कहा कि आज हम करीब 15 लाख रुपये बिजली बिल पर व्यय कर रहे है, इसलिए शहर में सोलर ऊर्जा से बिजली बनाने के

सिस्टम लगाना उचित होगा। इस पर पूरी परिषद ने सहमति प्रदान की। इसके अलावा शहर में जगह-जगह दुकान निर्माण कर निकाय की आय बढ़ाने एवं शहर के सभी मुख्य मार्गो के निर्माण एवं मरम्मत कार्य किये जाने पर सहमति बनी है। बैठक में अनके निर्माण कार्यो की दरें स्वीकृत की गई।

खासबात यह है कि इस बार बजट में आम जनता पर कोई भार नहीं बढ़ाया गया है। यानी कि रहवासियों पर लगने वाले सभी कर यथावत रखे गए है। इसके अलावा परिषद में तह बजारी एवं पशु पंजीयन के ठेके पर स्वीकृति देने के साथ यह निर्णय भी किया गया है कि यदि उक्त ठेकेदार आमजन से शासकीय दरों से अतिरिक्त वसूली करते है और शिकायत में दोषी पाए जाते है तो उक्त ठेकेदार की धरोहर राशि जप्त कर ठेका निरस्त किया जाएगा। वार्ड 16 के पार्षद नितिन जैन ने बैठक में कहा कि मीट मार्केट एक जगह हो। इस पर परिषद ने तय किया है कि मीट मार्केट एक जगह बनाने को लेकर जगह चिन्हित की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने विदिशा रोड को आचार्य विद्यासागर जी के नाम पर मार्ग के रूप में नामकरण की मांग भी की इस पर परिषद ने प्रयास करने का निर्णय किया। बैठक अच्छा कार्य करने वाले अधिकारी, कर्मचारियों की सराहना की गई। बैठक के अंत मे सीएमओ जाहिद अली सभी का आभार व्यक्त किया।

इनका कहना है

आज हमारी परिषद ने करीब सो करोड़ रुपये का बजट पास किया है। हमारी कोशिश रहेगी कि हमारा नगर पालिका परिवार शहर को विकास की ऊंचाइयों ले जायेगा।

- तनुश्री कुलदीप सिंह राठोड़, अध्यक्ष नपा बैरसिया

लैब का धंधा है चंगा - घर के बाहर लगा दिया लैब का बोर्ड, जो पता दिया वहां दरवाजे पर लटका हुआ है ताला....ये क्या फर्जीवाड़ा

लोग अपनी मर्जी से जहां-तहां खोल रहे पैथोलाजी लैब

धार. शहर में पैथोलाजी लैब संचालित करने के नाम पर लाभ का धंधा संचालित करने का गोरखधंधा चल रहा है। जहां-तहां बगैर अनुमति लैब खोलकर लोगों की जान से खिलवाड़ करने का काम चल रहा है। गलियों और चौराहों पर इस तरह की पैथोलाजी लैब संचालित होते देखी जा सकती है, जो नियमों के उलट संचालित हो रही है।

इसी तरह का एक मामला शहर की शिव विहार कॉलोनी का भी देखने को मिला है। सूत्र बताते है कि कॉलोनी में एक घर के बाहर ओम सांई राम पैथालाजी के नाम से लैब शुरू की गई। जिसका बोर्ड आज तक कॉलोनी में स्थित 11 शिव विहार कॉलोनी के पते पर लगा हुआ है। कुछदिन से यह लैब बंद है और दरवाजे पर ताला लगा हुआ है। इसके बाद जब इस मामले में पड़ताल शुरू की गई तो पता चला कि कुछ वक?त के लिए यहां पर लैब संचालित की गई, लेकिन इन दिनों यह लैब बंद कर दी गई और अस्तित?व में नहीं है। बोर्ड पर लिखे नंबर 9009900730 पर हमनें संपर्क भी किया, जिस पर जवाब मिला कि लैब बंद कर दी गई है।

इसमें सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस तरह कहीं पर भी लैब का बोर्ड लगाकर लैब संचालित करना इतना आसान है और इससे लोगों के स?वास?थ?य से भी खिलवाड़ हो रहा है। लोग कहीं भी अपनी सुविधा के अनुसार लैब खोल रहे है और बंद कर रहे है, जैसा कि किराना दुकानों में ही अमूमन देखने को मिलता है। शहर में 25 लैब अधिक्रत - स्वास्थ्य विभाग के अनुसार धार शहर में 25 लैब है, जिनके अधिक्रत होने की बात कही जा रही है। हालांकि इनमें पैथालाजी लैब को संचालित करने वाली शर्तों को पूरा करने वाली संस्थाएं कितनी है, यह देखने वाली बात है। दरअसल बीते वर्ष स्वास्थ्य विभाग ने सभी लैब और हॉस्पिटल की जांच की थी। इसमें कई लैब फर्जी तरीके से संचालित होना पाया गया था। इसके बाद कई संस?थानों को कार्रवाई झेलना पड़ी थी। अब आगे भी देखना है कि कितनी लैब कार्रवाई की जद में आती है।

कागज की तलवार से लोहा काटता है साहित्यकार:प्रो. दिनेश कुशवाह

गुजरता वक्त ठहरते पल, काव्य संग्रह का हुआ विमोचन

छतरपुर। जाने-माने नेत्र चिकित्सक डॉ. सुरेन्द्र सिंह बुन्देला की पुत्रवधू एवं न्यूरोसर्जन डॉ. यशपाल सिंह बुन्देला की पत्नि डॉ. आराधना सिंह बुन्देला के काव्य संग्रह गुजरता वक्त ठहरते पल का विमोचन किया गया। होटल ओम सांई राम में आयोजित विमोचन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में अवधेश प्रताप ड्क्षसह विश्वविद्यालय हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुशवाह मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर संदीप जीआर ने की। विशेष अतिथियों के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवियत्री मालती श्रीवास्तव, डॉ. सुभाष चौबे, प्रो. बहादुर ड्क्षसह परमार, पेप्टेक ग्रुप के डायरेक्टर नीरज चौरसिया सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जानकारी के मुताबिक डॉ. आराधना ड्क्षसह बुन्देला द्वारा लिखित काव्य संग्रह गुजरता वक्त ठहरते पल का विमोचन किया गया। मुख्यय अतिथि प्रो. दिनेश कुशवाह ने काव्य संग्रह की सराहना करते हुए कहा कि आज के भाग-दौड़ भरे जीवन में साहित्य सृजन बहुत बड़ा कार्य है। यह सृजनात्मकता साहित्य से जोड़कर रखती है। उन्होंने कहा कि साहित्यकार कागज की तलवार से लोहा काटने का कार्य करता है। उन्होंने डॉ. आराधना बुन्देला को काव्य संग्रह के लिए शुभकामनाएं दीं।

डॉ. बुन्देला का कार्य चुनौतीपूर्ण, प्रेरणादायी-कलेक्टर

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कलेक्टर संदीप जीआर ने कहा कि एक डॉक्टर का कार्य जिम्मेदारी और चुनौतीपूर्ण होता है। डॉक्टर यदि मेडिकल की किताब लिखे तो शायद उसे आसानी होगी लेकिन पेशे से हटकर साहित्य सृजन करना यह काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर आराधना बुन्देला ने अपने क्षेत्र से हटकर पुस्तक लिखी है। उनके इस हौसले ने अन्य लोगों को भी अवश्य रूप से प्रेरणा दी होगी।

कोरोनाकाल की भावनाएं काव्य संग्रह में निकलीं-डॉ. अनुराधा

जानी-मानी स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. आराधना बुन्देला ने अपने काव्य संग्रह गुजरता वक्त ठहरते पल के विमोचन के अवसर पर कहा कि कोरोनाकाल में सबको यह प्रतीत हो रहा था कि शायद अब जिंदगी इतनी ही थी। लॉकडाउन में जो वक्त मिला उस समय की भावनाएं कविता के रूप में बाहर आयीं हैं। इस काव्य संग्रह में रोजमर्रा के जीवन से जुड़े बिन्दु शामिल हैं। खासतौर से नारी उत्थान, देशभक्ति, कृष्ण भक्ति, मां सरस्वती के प्रति भाव, संयुक्त परिवार, नारी-पुरूष की समानता जैसे बिन्दुओं को छूने का प्रयास किया गया है। विमोचन के अवसर पर जो सराहना और हौसला हासिल हुआ वह प्रेरणादायी है। कभी भी साहित्य सृजन पीड़ितों की सेवा के दौरान बाधा नहीं बनेगा। हां यह बात अवश्य है कि मरीजों की संवेदनाएं कविता में अवश्य आएंगी।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में आंवला, कचनार और जामुन के पौधे लगाए। विधायक शिशुपाल यादव, स्टेट प्रेस क्लब इंदौर के सदस्य साथ थे।

कूनो में नामीबिया से लाए चीते की मौत, भारत लाए जाने से पहले ही थी किडनी की बीमारी

श्योपुर। कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से लाए गए चीतों में से 4 साल की मादा चीता साशा की मौत हो गई है। वह किडनी की बीमारी से पीड़ित थी। नामीबिया से 17 सितंबर को 8 चीतों को लाया गया था। इन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाड़े में रिलीज किया था। इनमें साशा भी शामिल थी। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका से 12 चीतों की दूसरी खेप कूनो लाई गई थी। मादा चीता साशा का कूनो पार्क में ही पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। अंतिम संस्कार भी यहीं होगा। सवाल यह उठाया जा रहा है कि जब भारत लाने से पहले ही उसे बीमारी थी, तो उसे लाया क्यों गया?

वन विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी जेएन कंसोटिया ने बताया कि फीमेल चीते का शव सोमवार सुबह मिला है, लेकिन उसकी मौत कब हुई, यह फिलहाल नहीं बताया जा सकता है। भोपाल से फॉरेस्ट और वेटरनरी डॉक्टरों की एक टीम कूनो पहुंच गई है। वन विभाग ने एक बयान जारी कर बताया कि 15 अगस्त 2022 को

नामीबिया में साशा का ब्लड टेस्ट किया गया था, जिसमें क्रियेटिनिन का स्तर 400 से ज्यादा था। इससे ये पुष्टि होती है कि साशा को किडनी की बीमारी भारत में लाने से पहले ही थी। कूनो में 22 जनवरी को डॉक्टरों के दल ने साशा को डेली मॉनिटरिंग के दौरान सुस्त पाया था।

वेटरनरी डॉक्टरों ने मेडिकल जांच करने के बाद रिपोर्ट दी थी कि उसे इलाज की जरूरत है। उसी दिन उसे क्वारैंटाइन बाड़े में लाया गया। इस दौरान उसका ब्लड सैंपल भी लिया गया। टेस्ट वन विहार राष्ट्रीय उद्यान की लैब में किया गया था। इसकी रिपोर्ट के आधार पर तत्काल भोपाल से एक दल पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन के साथ कूनो राष्ट्रीय उद्यान भेजा गया था। कूनो नेशनल पार्क के बड़े बाड़े के कम्पार्टमेंट नंबर-5 में पिछले साल 28 नवंबर को तीन मादा चीता सवाना, साशा और सियाया को छोड़ा गया था। तीनों मादा चीता एक साथ ही कम्पार्टमेंट में रहकर शिकार भी कर रही थीं।

22 जनवरी को सुस्त पाए जाने के बाद से ही कूनो राष्ट्रीय उद्यान के सभी वन्यप्राणी चिकित्स और नामीबियाई विशेषज्ञ डॉ इलाई वॉकर साशा का लगातार उपचार कर रहे थे। इस दौरान चीता कंजर्वेशन फाउंडेशन नामीबिया और प्रिटोरिया यूनिवर्सिटी दक्षिण अफ्रीका के विशेषज्ञ डॉ एड्रियन टोर्डिफ भी लगातार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और फोन के जरिए संपर्क में रहे।

फेडरेशन आप मध्य प्रदेश चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री एवं इंडो जर्मन टूल रूम इंदौर के संयुक्त तत्वाधान में पांच दिवसीय टेक्निकल सेशन जो कि जर्मनी से आये टेक्निकल एक्सपर्ट द्वारा विस्तृत जानकारी प्रदान की जायेगी। जिसका शुभारंभ आज किया गया।

सतना पुलिस के अजब कारनामे

महिला सब इंस्पेक्टर का यौन शोषण

- करने वाला आरोपी टी आई बना वरिष्ठ अधिकारियों की आँख का तारा
- विधायक प्रदीप पटेल ने न्याय के लिए मुख्य मंत्री और डी जी पी को पत्र लिखकर कार्यवाही की माँग की

सतना। पदस्थ एक महिला उप निरीक्षक जो की अनुसूचित जाति के अन्तर्गत आती है कि कोई सुनवाई ज़िले और ज़ोन में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी नहीं कर रहे हैं , बल्कि प्रयास यह कर रहे हैं कि मामला दब जाये । महिला उप निरीक्षक की कोई सुनवाई ना होते देख विधायक एवं सदस्य म. प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के सदस्य जिन्हें मध्य प्रदेश शासन ने राज्य मंत्री का दर्जा दिया है प्रदेश के मुखिया मुख्य मंत्री शिवराज सिंह चौहान को एवं पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर तत्काल उच्च स्तरीय जाँच की माँग कर आरोपी टी आई राजेंद्र पाठक को निलंबित करते हुये आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाने की माँग की है । गौर तलब है की उक्त टी आई बहुत विवादास्पद है , और 3 साल से ज़्यादा समय से सतना ज़िले में पदस्थ है।

Jagdish Kaushal
28 Mar 2022 ·

मैं कला समय संस्कृति शिक्षा और समाज सेवा समिति भोपाल मध्य प्रदेश का कृतज्ञ हूं कि उन्होंने मेरी 75 वर्षीय फोटोग्राफी कला साधना को रेखांकित और सम्मानित करते हुए कल दिनांक 27 मार्च 2022 को मुझे कला समय प्रतिबिंब शिखर सम्मान 2022 देकर सम्मानित किया मैं इस अवसर पर श्री मनोज श्रीवास्तव आईएएस पूर्व अपर मुख्य सचिव मध्य प्रदेश शासन का विशेष रूप से आभार मानता हूं कि उन्होंने अपने कर कमलों द्वारा मुझे यह सम्मान प्रदान किया संस्था के अध्यक्ष पंडित सज्जन लाल ब्रह्म भट्ट और संस्थापक सचिव श्री भंवर लाल श्रीवास जी का भी विशेष रूप से आभार मानता हूं

क्रेडिट कार्ड पर ज्यादा हो गया है कर्जा, इस तरह आसानी से EMI में कर सकते हैं भुगतान, नहीं देना पड़ेगा जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। आजकल लोग क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल जमकर कर रहे हैं। कई जगहों पर क्रेडिट कार्ड से पेमेंट करने के फायदे हैं। अगर क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल समझदारी से करा जाए तो आपको कभी कोई परेशानी नहीं होगी। कई बार लोग क्रेडिट कार्ड के चक्कर में ज्यादा खरीदारी कर जाते हैं। इसमें बकाया राशि के भुगतान के लिए 30 दिनों का समय मिलता है। ऐसे में कई बार लोगों का खर्चा ज्यादा हो जाता है। क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करने वाले बहुत से लोग ऐसे हैं जो समय पर अपने कार्ड का पेमेंट करना भूल भी जाते हैं। इसकी वजह से पेमेंट में देरी का जुर्माना और बकाया राशि बढ़ जाती है। इसीलिए एक्सपर्ट क्रेडिट कार्ड के सभी लोन का भुगतान ड्यू डेट से पहले चुकाने की सलाह देते हैं। इसकी वजह है कि क्रेडिट कार्ड की ब्याज दरें सालाना 36 फीसदी तक पहुंच सकती हैं। अगर आपके कार्ड पर बकाया राशि ज्यादा है और आप इसका एक बार में भुगतान करने में असमर्थ हैं तो आप आसान सी मासिक किस्तों पर भी भुगतान कर सकते हैं। इसके लिए आपको बैंक में कस्टमर केयर से बात करनी होगी। आप ऑनलाइन नेट बैंकिंग के माध्यम से भी बकाए को ईएमआई में बदल सकते हैं।

क्रेडिट कार्ड से की गई किसी भी शॉपिंग को आप

आसान सी ईएमआई में बदल सकते हैं। हालांकि ईएमआई के कैलकुलेशन करते वक्त ब्याज दर, आपके द्वारा चुनी गई अवधि और आपके द्वारा किए जाने वाले डाउन पेमेंट को ध्यान में रखा जाएगा। हालांकि क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। जैसे की हर क्रेडिट कार्ड पर आपको ईएमआई का ऑप्शन नहीं मिलता है। ईएमआई पर खरीदारी से कार्ड की लिमिट कम हो सकती है। अपने सभी पेमेंट आप समय पर जरूर करें। पेमेंट समय से नहीं करने पर आपको भारी जुर्माना भरना पड़ जाएगा।

दूसरे क्रेडिट कार्ड से चुकाएं अपना बिल- क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करने वालों के सामने कई बार ऐसी समस्या होती है कि पेमेंट करने के रुपये नहीं होते हैं। ऐसे में आप एक क्रेडिट कार्ड के बिल को दूसरे क्रेडिट कार्ड से चुका सकते हैं। इस तरह से आप जुर्माने से बच सकते हैं। कई बैंक चुनिंदा क्रेडिट कार्ड पर बैलेंस ट्रांसफर सुविधा का ऑप्शन देते हैं। इससे आप एक क्रेडिट कार्ड से दूसरे क्रेडिट कार्ड में बैलेंस ट्रांसफर कर सकते हैं। हालांकि बैंक कार्ड से बैलेंस ट्रांसफर का पैसा लेते हैं। बैंक आपसे जीएसटी और प्रोसेसिंग फीस वसूलता है। हालांकि इससे लोगों को बैलेंस के पेमेंट करने के लिए और समय मिल जाता है। आप ई-वॉलेट के जरिये भी क्रेडिट कार्ड का बिल पेमेंट कर सकते हैं। आप क्रेडिट कार्ड के जरिये ई-वॉलेट में पैसा डाल सकते हैं और फिर से बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर सकते हैं।

टीपीए सेक्टर में सबसे बड़ी डील, रक्षा इंश्योरेंस को खरीदेगी मेडी असिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। हेल्थ इंश्योरेंस थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर मेडी असिस्ट रक्षा इंश्योरेंस टीपीए को खरीदने जा रहा है। यह रक्षा इंश्योरेंस टीपीए में 100 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की तैयारी में है। मेडी असिस्ट के सीईओ सतीश गिडुगु ने कहा कि यह थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर या टीपीए स्पेस में सबसे बड़ी डील हो सकती है। उन्होने कहा कि इस पार्टनरशिप से बेंगलुरु बेस्ड मेडी असिस्ट देश के अंदरूनी हिस्सों में अपनी मजबूत पकड़ बना सकेगी। साथ ही उसकी खुदरा क्षमताओं का भी विस्तार होगा।

छोटे शहरों तक होगा विस्तार

गिडुगु ने कहा, यह टीपीए क्षेत्र में अब तक की सबसे बड़ी एमएंडएम डील है। वास्तव में रक्षा हमारे मौजूदा रिटेल प्रीमियम में करीब 35 फीसदी या इससे अधिक का इजाफा कर देगी। इससे हमें उत्तर, मध्य और पश्चिमी भारत के दूरदराज के हिस्सों तक महत्वपूर्ण पहुंच मिलेगी। इससे हमारी कंपनी वास्तव में एक अखिल भारतीय कंपनी बनेगी। कंपनी की योजना बड़ौदा, लखनऊ, इंदौर और भोपाल जैसे टियर-2 और टियर-3 स्थानों तक पहुंचने की है, जहां मेडी असिस्ट की उपस्थिति बहुत कम है। मेडी असिस्ट में एमएंडए के प्रमुख नीरज डिडवानिया ने कहा कि कंपनी अगले कदम के लिए इस सप्ताह भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) से संपर्क करेगी और अगले दो महीनों में मंजूरी मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, यह न केवल हमारे लिए बल्कि टीपीए इंडस्ट्री में भी गेम चेंजर डील होगी। क्योंकि यह भारत में हुए सबसे बड़े टीपीए एमएंडए में से एक है।

पिछले साल नवंबर में मेडी असिस्ट ने यूके स्थित हेल्थकेयर-फोकस्ड सर्विस प्रोवाइडर मेफेयर वी केयर में 60त हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया था। इस तरह इसने अपना पहला विदेशी अधिग्रहण किया था। डिडवानिया ने कहा, यह एक और विस्तार है जिसका रक्षा के ग्राहक आनंद ले सकते हैं, जो उनकी आवश्यकताओं के आधार पर वैश्विक लाभों तक पहुंच बनाता है।

एफडी पर जबरदस्त ब्याज दे रहा है ये बैंक, टैक्स बचाने का बेहतरीन मौका, नई दरें लागू

नई दिल्ली। इस वित्तीय वर्ष के लिए टैक्स भुगतान की अंतिम तारीख 31 मार्च 2023 है। टैक्स बचाने के लिए सावधि जमा पर निवेश एक अच्छा विकल्प है। कई बैंक हैं, जो एफडी पर निवेश करने पर तगड़ा ब्याज दे रहे हैं।निजी क्षेत्र के ऋणदाता कोटक महिंद्रा बैंक की नई सावधि जमा ब्याज दरें आज से प्रभावी हैं, जिसमें निश्चित अवधि वाली एफडी पर शानदार रिटर्न मिल रहा है। आपको बता दें कि 5 साल से ज्यादा की एफडी पर आयकर विभाग की धारा 80ष्ट के तहत 1.50 लाख रुपये की टैक्स कटौती का लाभ लिया जा सकता है। इस कारण इस समय अच्छा रिटर्न देने वाले बैंकों की एफडी पर निवेश करना बेहतर माना गया है।

कोटक महिंद्रा बैंक की नई ब्याज दर इस तरह से हैं-

- 7-14 दिनों में परिपक्व होने वाली सावधि जमा पर ब्याज -2.75 फीसद
- 15-30 दिनों में परिपक्व होने वाली सावधि जमा पर ब्याज- 3.00 फीसद
- 31-45 दिनों में परिपक्व होने वाली सावधि जमा पर ब्याज- 3.25 फीसद
- 46-90 दिनों परिपक्व होने वाली सावधि जमा पर ब्याज- 3.50 फीसद
- 91-120 दिनों में परिपक्व होने वाली सावधि जमा पर ब्याज- 4.00 फीसद
- 121-179 दिनों में परिपक्व होने वालोंजमाओं पर ब्याज- 4.25 फीसद
- 180 दिनों में परिपक्व होने वाली सावधि जमाओं पर मिलने वाला ब्याज- 6.50 फीसद
- 181 दिनों से 363 दिनों में परिपक्व होने वालों पर जमा पर ब्याज- 6.00 फीसद

10,000 जुर्माना और रुक जाएंगे कई जरूरी काम, 31 मार्च तक पैन-आधार करा लें लिंक

नई दिल्ली, एजेंसी। 31 मार्च अब ज्यादा दूर नहीं है। इसी के साथ ही वित्त वर्ष 2022-23 खत्म हो जाएगा। साथ ही पैन कार्ड को आधार से लिंक कराने की समयसीमा भी खत्म हो जाएगी। क्या आपने अभी तक भी पैन को आधार से लिंक नहीं करवाया है? अगर नहीं, तो जल्द से जल्द करवा लीजिए। इस महीने तक ऐसा नहीं हुआ तो आपको काफी परेशानी झेलनी पड़ सकती है। अगले महीने से आपका पैन कार्ड सिर्फ एक प्लास्टिक का टुकड़ा बन जाएगा। आपके पास पैन कार्ड होना या ना होना एक समान बात होगी। इस पैन कार्ड को कहीं यूज करेंगे, तो वह पैन नहीं होने के बराबर ही माना जाएगा।

क्या होगा नुकसान?- अगर आपने 31 मार्च, 2023 तक पैन को आधार से लिंक नहीं कराया, तो यह बेकार हो जाएगा। सरकारी गाइडलाइन के अनुसार, वह व्यक्ति इनकम टैक्स एक्ट, 1961 के तहत पैन नहीं देने के बराबर ही उत्तरदायी होगा। ऐसे में आप वे सभी वित्तीय कार्य नहीं कर पाएंगे, जिनमें पैन कार्ड जरूरी होता है। पैन आधार लिंक नहीं होने पर आप अगले महीने से म्यूचुअल फंड, स्टॉक और बैंक अकाउंट खुलवाने जैसे काम भी नहीं कर पाएंगे।

अगले महीने से इस बेकार पेन कार्ड को आप वित्तीय कार्यों के लिए इस्तेमाल करते हैं, तो आप पर जुर्माना लगाया लग सकता है। इनकम टैक्स एक्ट की धारा 272क्के तहत आपको 10 हजार रुपये का जुर्माना देना पड़ सकता है। अगर आप 31 मार्च, 2023 तक पैन को आधार से लिंक करा लेते हैं तो आपको सिर्फ 1000 रुपये ही लेट फाइन देना है। सीबीडीटी द्वारा 30 जून, 2022 के बाद से पैन को आधार से लिंक कराने पर 1000 रुपये लेट फाइन लगाया गया था।

पैन कार्डधारक एसएमएस और ऑनलाइन दोनों तरीकों से पैन को आधार से लिंक करा सकते हैं। एसमएस में आपको अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से 567678 या 56161 नंबर पर एक एसएमएस भेजना होगा। इसके अलावा आप इनकम टैक्स पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन तरीके से पैन को आधार से लिंक करा सकते हैं और 1000 रुपये लेट फीस जमा करा सकते हैं।

छिंदवाड़ा के रोटरेक्टर मंडल अध्यक्ष अमन खान बने

रोटरेक्ट डिस्ट्रिक्ट 3040 के मंडल अध्यक्ष निर्वाचित हुए

छिंदवाड़ा । रोटरेक्ट क्लब छिंदवाड़ा के पूर्व अध्यक्ष व समाज सेवी में अग्रिम रूप से युवाओं के पथ प्रदर्शक रो. अमन खान इंदौर में आयोजित कांफ्रेंस में निर्वाचन प्रक्रिया के तहत वर्ष 2023-24 के लिए मंडल अध्यक्ष चुने गए। क्लब सेक्रेटरी उवैश मंसूरी ने बताया की डिस्ट्रिक्ट 3040 संपूर्ण मध्यप्रदेश व पूर्वी गुजरात का भौगोलिक क्षेत्र आता है, जिसके तहत 60 से अधिक रोटरेक्ट क्लब का प्रतिनिधि निर्वाचन प्रक्रिया के तहत चुना जाना गौरव का विषय है। इस मौके पर रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 के डीजी जिनेन्द्र जैन, डीजी इ रितु ग्रोवर डीआर सी सी इ राजेन्द्र जैन, वरिष्ठ रोटेरियन धीरेन दत्ता, ,पुर्व डी आर आर यथार्थ गोलचा, भरत विजयवर्गीय और विभिन्न क्लबों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। अपनी जीत का श्रेय रो अमन खान ने सभी क्लब एवं मंडल साथियों परिजनों व मार्गदर्शको को विशेषकर रोटेरियन संदीप सिंह चंदेल जी को दिया है।

दुर्गा आर्य कत्थक नृत्य करने जर्मनी से आ रही है

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के कलाकार छिंदवाड़ा में देंगे शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुति

छिंदवाड़ा । भरतनाट्यम की प्रसिद्ध नृतिका पद्मश्री लीला सैमसन भरतनाट्यम नृत्य की प्रस्तुति छिंदवाड़ा में देंगी। अप्रैल के अन्तिम सप्ताह में कला संगम नृत्य महोत्सव 2023 का आयोजन छिंदवाड़ा में किया जा रहा है। ज्ञात हो कि कुमारी लीला सैमसन को सन् 1990 में पद्मश्री प्रदान किया गया था। अप्रैल 2011वे केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की अध्यक्षा नियुक्त की गयीं थी। शास्त्रीय कला संस्थान कलाक्षेत्र की निदेशक रहीं हैं तथा संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष भी रहीं हैं। आयोजक संस्था कला संगम शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत महाउत्सव समिति छिंदवाड़ा के निर्देशक भरतनाट्यम नृत्य गुरु अमित डोले एवं अध्यक्ष भारत डोले ने बताया कि लीला सैमसन के साथ अन्य अंतर्राष्ट्रीय कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे, जिसमें गुंडु राव नरेंद्र अपनी भरतनाट्यम की प्रस्तुति चेन्नई से देने आ रहे हैं। दुर्गा आर्य कत्थक नृत्य की प्रस्तुति देने जर्मनी से आ रही हैं। श्रीमती इंदू एवं निधीश चेन्नई से भरतनाट्यम नृत्य की प्रस्तुति देने आ रहे हैं। श्रीमती बिंदु जुनेजा भोपाल से ओड़िसी नृत्य की प्रस्तुति देने आ रही हैं कार्यक्रम के आयोजक अमित डोले भी अपनी भरतनाट्यम नृत्य की प्रस्तुति देंगे।समस्त जिले वासियों से निवेदन है कि छिंदवाड़ा में पहली बार हो रहे इस शास्त्रीय नृत्य के अनूठे कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति , सहभागिता एवं सहयोग करें।

पंचतन्त्र की कहानी का मंचन

विश्व रंग मंच दिवस पर किरदार

संस्थान ने दी प्रस्तुति

छिंदवाड़ा । विश्व रंगमंच दिवस के अवसर पर शहर की अग्रणी नाट्य संस्था किरदार संस्थान द्वारा स्थानीय शासकीय जवाहर कन्या विद्यालय में पंचतंत्र की कहानी का नाट्य रूपांतरण कर मंचन किया। संस्थान के सचिव ऋषभ स्थापक ने बताया कि कार्यक्रम के प्रारंभ में उपस्थित बच्चो को किरदार अध्यक्ष डॉ. पवन नेमा ने नौ रस के बारे में जानकारी दी साथ ही मंच से जुड़ने के फायदों से अवगत कराया। पंचतंत्र की कहानी के माध्यम से विद्यार्थियों को आपस में प्रेम एवं सौहाद्र से रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर शासकीय जवाहर कन्या हाई स्कूल से कोमल पटेल, मधु चौधरी, किरदार संस्थान अध्यक्ष डा पवन नेमा, सचिव ऋषभ स्थापक, आकाश दौडके, प्रसून पवार, वर्षा सहित अन्य कलाकार शामिल रहे।

नगर पालिका सभापति श्रीमती कल्पना सतीश साहू ने सभापति पद से दिया इस्तीफा

अमरवाड़ा। नगर पालिका परिषद के सभापति श्रीमती कल्पना सतीश साहू ने अपने सभापति पद से इस्तीफा दिया है प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 15 की पार्षद और सभापति श्रीमती कल्पना सतीश साहू ने बताया है कि जब परिषद बन रही थी तो मुझे शहरी गरीबी उपशमन विभाग का पद दिया जा रहा था लेकिन मुझे जब लेटर पैड नगर पालिका परिषद अमरवाड़ा द्वारा दिया गया तो जिसमें मुझे स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग दिया गया है इस वजह से मैं अपने सभापति पद से इस्तीफा नगर पालिका अध्यक्ष और मुख्य नगरपालिका अधिकारी के नाम दे दिया है । ज्ञात रहे कि श्रीमती कल्पना सतीश साहू भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व पार्षद सतीश साहू की धर्मपत्नी है सतीश साहू जनभागीदारी समिति के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं और वार्ड क्रमांक 15 से पार्षद रहे हैं यहां 10 वर्षों से कांग्रेस के पार्षद जीते थे लेकिन उसके बाद भी भारतीय जनता पार्टी से यह पार्षद बने थे।

कन्या भोजन कराया

परासिया । उड़ान संस्था की अध्यक्षा डॉ श्रीमती मधु बत्रा के नेतृत्व में लोनी कला,दरवई ग्राम की कन्याओं को कन्या भोजन कराया गया साथ में बालिकाओं को काफी, पेंसिल ,चाकलेट आदि भी प्रदान की गई सभी बालिकाएं भोजन पाकर बहुत खुश हुई ग्राम के सरपंच श्री संतलाल कहार भी उपस्थित हुए। उड़ान संस्था की अध्यक्षा डॉ श्रीमती मधु बत्रा सहित के पी पांडे,जेठूलाल सोनी, डॉ अनिल सदाफल, श्रीमती सूरजकला बत्रा, श्रीमती अर्चना गुप्ता, श्रीमती माधुरी ठाकुर, श्रीमती राखी सहगल प्रमुख रूप से उपस्थित रही

जिले के किसानों से नरवाई में आग नहीं लगाने की अपील

छिन्दवाड़ा । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, उप संचालक कृषि जितेन्द्र कुमार सिंह, सहायक कृषि यंत्री और जिला प्रशासन द्वारा जिले के किसानों से नरवाई में आग नहीं लगाने की अपील की गई है । यदि कोई कृषक नरवाई में आग लगाता है तो उसके विरूध्द दंडात्मक कार्यवाही का प्रावधान किया गया है । सहायक कृषि यंत्री ने बताया कि प्राय: देखा गया है कि किसान गेहूं की फसल कटने के बाद बचे हुये तने के अवशेष जिन्हें नरवाई कहते हैं, को आग लगाकर नष्ट कर देते हैं । नरवाई में आग लगाने से भूमि की उर्वरता नष्ट होती है और अग्नि दुर्घटना की संभावना बनी रहती है, जबकि यदि फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा उन्हें भूमि में वापस मिला दिया जाये तो मृदा में कार्बनिक प्रदार्थ व पोषक तत्वों में वृध्दि होगी जिससे मृदा के भौतिक गुण में सुधार होता है । उन्होंने बताया कि मृदा स्वास्थ, पर्यावरण व फसल उत्पादकता को दृष्टिगत रखते हुये फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा भूमि से मिला देने पर मृदा को बहुत लाभ होता है। फसल अवशेषों से प्राप्त कार्बनिक पदार्थ भूमि में जाकर मृदा पर्यावरण में सुधार कर सूक्ष्मजीवी अभिक्रियाओं को उत्प्रेरित करता है जिससे फसल उत्पादन में वृध्दि होती है । उन्होंने बताया कि गेहूं कटाई के दौरान किसान कम्बाईन हार्वेस्टर के साथ स्ट्री मेनेजमेंट सिस्टम अथवा स्ट्रॉ रीपर का उपयोग अनिवार्य रूप से करें 7 यह सिस्टम नरवाई को बारीक कर देता है जिससे कटाई के बाद रोटावेटर अथवा मल्चर से आसानी से मिट्टी में मिलाया जा सकता है। इसी प्रकार स्ट्रॉ रीपर फसल अवशेष को काटकर भूसा में बदल देता है जिसका उपयोग पशुओं के चारा के रूप में और अतिरिक्त आय के साधन के रूप में किया जा सकता है । इनके अलावा हैप्पीसीडर, जिरोटिल, बेलर, मल्चर आदि यंत्रों का उपयोग नरवाई प्रबंधन में किया जा सकता है जिससे नरवाई जलाने की आवश्यकता नहीं रहती है ।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में अभी तक भरे गये 3778 ऑनलाइन आवेदन

कलेक्टर और सीईओ जिला पंचायत ने कैम्प में पहुंचकर कार्य का किया औचक निरीक्षण

छिन्दवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कैम्प लगाकर मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की पात्र महिलाओं के ऑनलाइन आवेदन भरने का कार्य जारी है। अभी तक कुल 3778 आवेदन ऑनलाइन भरे जा चुके हैं। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले और सीईओ जिला पंचायत श्री पार्थ जैसवाल ने आज ग्राम पंचायत उमरिया ईसरा में आयोजित कैम्प में पहुंचकर कार्य का औचक निरीक्षण भी किया।

रसोइया कर्मियों ने घेरी कलेक्ट्रेट, इंदिरा तिराहे पर किया चक्काजाम

छिंदवाड़ा । न्यूनतम वेतन की मांग को लेकर स्कूलों की हजारों मध्यान्ह भोजन कार्यकर्ताओं ने कामगार कांग्रेस के जिला अध्यक्ष वासुदेव शर्मा के नेतृत्व में हाथों में तिरंगा झण्डा लेकर रैली निकाली, इंदिरा तिराहे पर चक्काजाम किया और तपतपाती धूप में घंटे भर कलेक्ट्रेट को घेरकर बैठी रहीं। रैली से पहले दीनदयाल पार्क में ब्रज कुमारी पंद्राम, नीतू सिंह ठाकुर, रेखा उईके, बबली मर्राफा की अध्यक्षता में धरना दिया गया। धरने को कामगार कांग्रेस के ब्लाक एवं जिला पदाधिकारियों ने संबोधित करते हुए ऐलान किया कि रसोईया कर्मियों, भृत्यों के लिए न्यूनतम वेतन का संघर्ष तब तक जारी रहेगा, जब तक रसोईयों को 9000 रूपए वेतन नहीं मिलने लगता, समूह की अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्यों को भी निश्चित मानदेय दिया जाना चाहिए। धरने में मध्यान्ह भोजन (रसोईया) एवं आजीविका मिशन के समूहों की महिलाएं बडी संख्या में शामिल रहीं, धरने को कामगार कांग्रेस के कार्यकारी जिला अध्यक्ष द्वारपाल मालवीय, सलीम खान, ब्रज कुमारी पंद्राम एवं राजेश भादे, महिला कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष अरूणा तिलंते, ब्लाक अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी रमन ब्रम्हे, विपिन उईके, महेंद्र कोरडे, देवेंद्र कोचे, नंदू सौराठ, बबलू डेहरिया, प्रमोद शर्मा, नीतू ठाकुर, नरसिंह साहू, शिवनारायण कोलारे, रामकृपाल डेहरिया, जय कुमार डेहरिया खान, बलवान टेकाम, रोमी यादव, भगत उईके, बाल किशोर बडकोरिया ने भी संबोधित किया। कामगार कांग्रेस के जिला अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने कहा कि मध्यान्ह भोजन कर्मियों के साथ भाजपा सरकार इसलिए अन्याय करती आ रही है इनका कोई संगठन नहीं है, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथजी एवं लोकप्रिय सांसद नकुलनाथ के निर्देश पर कामगार कांग्रेस ने इन्हें संगठित कर इनका संगठन बनवा दिया है, अब जिले सहित प्रदेश भर में रसोईयों के सवालों पर संघर्ष होगा जो न्यूनतम वेतन हासिल करने तक जारी रहेगा।

रासेयो शिविर में ग्रामीण बच्चों को पढ़ाया स्वच्छता का पाठ

रैली के माध्यम से स्वयंसेवक कर रहे जागरूक

छिंदवाड़ा । श्रम सेवा सहयोग से की भावना से कार्य करने का संकल्प लिए ज्ञान ज्योति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खजरी की राष्ट्रीय सेवा योजना की पुरुष इकाई के विशेष सात दिवसीय शिविर में बच्चो को स्वच्छता का पाठ पढ़ाया ग्राम खजरी,लोहार ढाना , डिमरा ढाना,गाडरी ढाना में रासेयो के स्वयं सेवको ने 25 मार्च से रासेयो शिविर में ग्राम विकाश ,स्वच्छता,अभियान श्रमदान ,जागरूकता रैली,सहित अन्य समाजसेवी कार्य कर रहे है।शिविर के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य श्यामल राव, सेवानिवृत क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी डी एन अग्निहोत्री सहित कार्यक्रम अधिकारी विनोद तिवारी,शासकीय प्राथमिक शाला की शिक्षिका श्रीमती डेहरिया सहित गणमान्य जन उपस्थित थे। शिविर में रासेयो स्वयं सेवको ने स्वच्छता का संदेश देना उपस्थित जनों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम अधिकारी विनोद तिवारी ने अपना शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया ।मुख्य अतिथि श्यामल राव ने उपस्थित रासेयो स्वयं सेवको एवम अन्य बच्चो को बाल संस्कार एवम गुड टच बेड टच बताते हुए बच्चो को किसी भी प्रकार की आने बाली समस्या को त्वरित अपने माता पिता से अपने गुरुजनों से बताने को कहा ।उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के आदर्श वाक्य मैं नही आप की भावना से कार्य करने का संदेश दिया ।रासेयो स्वयं सेवको ने प्रेरणा दायक नारे लगाते हुए जागरूकता रैली निकाली।

चैत्र नवरात्रि पर भक्तों की आस्था का मुख्य केंद्र बना जगतदेव मातेश्वरी मंदिर

अमरवाड़ा । नगर में स्थित जगतदेव मातेश्वरी मंदिर नव रात्रि के पावन पर्व पर 670 मनोकामना कलशों की ज्योत से दमक रहा है। नवरात्र में समूचे मंदिर परिसर को दुल्हन की तरह सजाया गया है। दरबार में भक?तों की भीड़ उमड़ रही है। माना जाता है की मां जगदम्बा की आरती करने से भक्तों की हर मुरादें पूरी हो जाती हैं। मान्यता है कि नवरात्र में माता भक?तों से खूब प्रसन?न रहती हैं। मां का रूप दिव्य और भक्तजनों को सुख, समृद्धि के साथ नवचेतना से स्फुरित करने वाला होता है। माता नवरात्र में उनके दर पर आने वाले सभी भक्तों और श्रद्धालुओं की मनोकामना को

पूरा करती हैं। चैत्र नवरात्र में हर रोज सुबह शाम को मंदिर पर भोर से ही श्रद्धालुओं की लम?बी कतार लगी दिखाई देने लगती है। जिले के साथ आसपास के ग्रामीण भी यहां भक्त मत?था टेकने के लिए आते हैं। मंदिर की समिति एवं अन्य मंडली द्वारा भजन कीर्तन के साथ दुर्गा सप्तशती पाठ,देवी जागरण और रामचरित मानस अखंड पाठ के आयोजन किया जा रहे है। जगत देव मातेश्वरी मंदिर भक्तों की आस्था का मुख्य केंद्र बना हुआ है।आगामी रामनवमी पर्व को लेकर शहर में विभिन्न सामाजिक हिंदू संगठनों द्वारा जोर शोर से तैयारियां की जा रही है। पूरे शहर को भगवा कपड़ों से रंग दिया गया है। जगह-जगह भगवा झंडे और तोरन लगाई जा रही है। रामनवमी पर्व पर पूजन पाठ के साथ-साथ विभिन्न धार्मिक आयोजन भी किया जाना सुनिश्चित है। जिसको लेकर अभी से ही व्यवस्थाए शुरू कर दी गई है। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के संतोष संतु मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि रामनवमी पर्व पर जगतदेव मातेश्वरी मंदिर में जवारे कलश विसर्जन की शोभायात्रा के दौरान राम मंदिर से वाहन रैली निकाली जाएगी।

राहुल गांधी की संसद सदस्यता को निरस्त करने के विरोध में सेवादल ने किया पुतला दहन

अमरवाड़ा । सोमवार को केंद्र सरकार द्वारा राहुल गांधी की सदस्यता निरस्त होने के विरोध में कांग्रेस सेवा दल ने धरना प्रदर्शन कर पुतला दहन किया। उक्त कार्यक्रम की जानकारी देते हुए विधानसभा सेवा दल के अध्यक्ष नीलेश साहू ने बताया की विगत दिनों जिस तरह से केंद्र सरकार ने राहुल गांधी की 2 साल की सजा एवं उनकी सदस्यता निरस्त की है। उसके विरोध में सेवादल द्वारा स्थानीय बस स्टैंड अमरवाड़ा में वरिष्ठ कांग्रेसी एवं सेवा दल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं द्वारा केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर विरोध प्रदर्शन करते हुए शिवराज सिंह चौहान का पुतला फूंका गया है। वही गीता विश्वकर्मा ने बताया कि विगत दिनों छिंदवाड़ा दौरे पर शिवराज सिंह चौहान द्वारा कमलनाथ को गड्ढे में गाड़कर उनका अंत कर देने की बात कहीं गई थी। जिसका भी वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं और सेवा दल ने पुरजोर विरोध किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस बल कि भी चाक-चौबंद व्यवस्था की गई थी। पुतला दहन के दौरान कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस बल की काफी झड़प भी देखने को मिली। जिसके चलते फायर बिग्रेड का भी उपयोग किया गया। विरोध प्रदर्शन और पुतला दहन के इस कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष चंपालाल कुर्चे, सलीम खान,सांसद प्रतिनिधि शैलेंद्र जैन,सुशीला मारफे,सेवादल प्रभारी सुमित जैन, ओपी नामदेव, सांसद प्रतिनिधि भूपेंद्र पटेल, पूर्व अध्यक्ष बिज्जू ढोके सहित सेवादल के सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

हितग्राहियों को वितरित की पात्रता पर्ची

अमरवाड़ा। नगर पालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी और सभापतियों की सक्रियता के चलते लगातार वार्ड वासियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलवाया जा रहा है। इसी तारतम्य में सोमवार को आवेदन लेकर पहुंचे हितग्राहियों को पात्रता पर्ची वितरित की गई। इस अवसर पर सभापति विनोद साहू,गोलू सचिन चौरसिया,राजा चौरसिया भी उपस्थित रहे।

दादाजी दरबार के दर्शन करने आ रहे नकुलनाथ

30 मार्च को शोभायात्रा में शामिल होंगे

छिन्दवाड़ा । जिले के सांसद नकुलनाथ का आगामी 30 मार्च को छिन्दवाड़ा आगमन हो रहा है। श्री नाथ अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के अनुसार विविध धार्मिक आयोजनों में उपस्थित होंगे।सांसद कार्यालय द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार सांसद नकुलनाथ प्रात:10.15 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा भोपाल से छिन्दवाड़ा प्रस्थान करेंगे। प्रात: 11.15 बजे श्री नाथ का हर्राई विकासखण्ड स्थित दादा दरबार आंचलकुण्ड आगमन होगा। आगमन उपरांत नकुलनाथ दादा जी दरबार में पूजन अर्चना व माथा टेकने के उपरांत प्रात: 11.40 बजे दादा जी की प्रेरणा से ग्राम पुस्सूढाना में आयोजित 108 कुंडीय महारूद्र यज्ञ में उपस्थित होंगे।ग्राम पुस्सूढाना में आयोजित यज्ञ समारोह में पूजन अर्चन हवन के उपरांत श्री नकुलनाथ दोपहर 12.35 बजे हर्राई ब्लॉक के ही ग्राम हड़ाई एवं दोपहर 12.45 बजे ग्राम सेजवाड़ा पहुंचेंगे। दोपहर 1.15 बजे सांसद का छिन्दवाड़ा आगमन होगा। छिन्दवाड़ा आगमन उपरांत सांसद श्री नकुलनाथ कार द्वारा शिकारपुर से प्रस्थान कर दोपहर 3.30 बजे नगर की ऐतिहासिक रामनवमी शोभा यात्रा में सम्मिलित होंगे। तदोपरांत सायं 4 बजे सांसद नकुलनाथ सुन्दरकाण्ड ग्रुप द्वारा आयोजित शोभा यात्रा में सम्मिलित होंगे।

श्री राम जी के होंगे भव्य दर्शन

श्री राम जन्मोत्सव का मुख्य आयोजन श्री राम मंदिर छोटी बाजार में

छिंदवाड़ा । श्री राम मंदिर छोटी बाज़ार में श्री राम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर प्रभु श्री सीताराम जी के भव्य दर्शन होंगे श्री रामनवमी पर्व के लिये तैयारियां हो चुकी है सत्य धर्म मंडल श्री राम मंदिर समिति के द्वारा मंदिर को आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया है मंडल प्रवक्ता कृष्णा सेठिया ने जानकारी देते हुए बताया कि राम जन्मोत्सव दर्शन के लिए गर्भगृह सौंदर्यीकरण का कार्य चल रहा है अब भगवान के दर्शन सुलभता से दूर से भी किये जा सकते हैं श्री राम नवमी का मुख्य आयोजन ऐतिहासिक श्री राम मंदिर छोटी बाजार में आयोजित किया गया है जिसमें प्रात: 8 बजे झंडा वंदन ,सुबह 9 बजे से संगीत रामायण मंडल के द्वारा एक नाम कीर्तन ,भजन मानस भवन में ,सुबह 10 बजे से सत्य धर्म रामायण मंडल के द्वारा सूंदर भजनों की प्रस्तुति श्री राम मंदिर में सुबह 11 बजे मंडल की कार्य योजना ,बुजुर्गों धार्मिक मंडलो के प्रभारियों का सम्मान वार्षिक प्रतिवेदन मंडल कोषाध्यक्ष दिनेश चौबे के द्वारा दोपहर 12 बजे भय प्रकट कृपाला के जयघोष , घंटे, नगाड़ों, करतल ध्वनि , पंडित नंदकिशोर शास्त्री जी के द्वारा मंत्रोउच्चरणों के साथ भगवान श्री राम का जन्मोत्सव का कार्यक्रम आतिशबाजी के साथ होगा पंजीरी प्रसाद का वितरण किया जायेगा श्रद्धालुओं को सुलभ दर्शन हों इसके लिये मंडल के द्वारा व्यवस्था बनायी गयी है श्रद्धालुओं का प्रवेश मानस भवन से होगा शाम को भगवान रथ में सवार होकर बैंड बाजों ,डिस्को लाइट के साथ नगर भ्रमण के लिए निकलेंगे सभी धर्मप्रेमी बंधुओं माताओं बहनों से मंडल आग्रह करता है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

आमजन के समक्ष हाथ जोड़कर कांग्रेस ने बताई भाजपा की नाकामी

वार्ड क्रमांक दो में चलाया हाथ से हाथ जोड़ो अभियान

छिन्दवाड़ा । नगर के सम्मानीय नागरिकों के समक्ष हाथ जोड़कर कांग्रेस ने भाजपा की छिन्दवाड़ा के विकास विरोधी सोच से अवगत कराया साथ ही अठारह वर्षों से प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा जो बदले की भावना से कार्य किये जा रहे हैं उससे अवगत कराया साथ ही पूर्व सीएम कमलनाथ जी एवं सांसद नकुलनाथ के विकास कार्यों की जानकारी दी। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पंकज शुक्ला के निर्देश पर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष पप्पू यादव एवं कांग्रेस पार्षद दल के नेता व जोन प्रभारी पंडित राम शर्मा के नेतृत्व में वार्ड क्रमांक 2 में हाथ से हाथ जोड़ो अभियान चलाया गया। कृष्णा नगर में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने घर-घर पहुंचकर भाजपा की नाकामियां गिनाई। शहर कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष पप्पू यादव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री व मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री कमलनाथ ने प्रदेश में 15 महीने की सरकार में सभी वर्गों के हित में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं प्रारम्भ की। कांग्रेस पार्षद दल के नेता पं. राम शर्मा ने कहा कि भाजपा के राज में महंगाई, भ्रष्टाचार व बेरोजगारी चरम सीमा पर है। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर नाकाम है। हाथ से हाथ जोड़ो अभियान में मुकेश उपाध्याय, सुनील इंगले, दुर्गा प्रसाद साहू, सहित कांग्रेस के अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

संदेहास्पद स्थिति में मिला शव, पुलिस कर रही जांच

अमरवाड़ा । नगर के समीपस्थ छिंदवाड़ा रोड पर स्थित लवी ढाबा के पीछे सोमवार को संदेहास्पद स्थिति में शव मिला है। सूचना के बाद एसडीओपी रविंद्र मिश्रा,थाना निरीक्षक मोहन सिंह मर्सकोले सहित दलबल मौका स्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की गई। जांच में ढाबा के सीसीटीवी कैमरे के रिकॉर्डिंग भी खंगाले गए हैं। मिले शव के दाहिने हाथ में तीन स्टार बने हुए हैं,तो वहीं एक तरफ ह्य राजा लिखा हुआ है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा बनाकर शव वाहन से पीएम के लिए अस्पताल भिजवाया। मिले शव की शिनाख्त के लिए सोशल मीडिया में सूचना भी डाली गई है। बरहाल पुलिस इस मामले की बारीकी से जांच कर रही है।

हनुमान जन्मोत्सव पर निकलेगी भव्य गदा यात्रा

आयोजन को लेकर राजीव भवन में हुइ बैठक

छिंदवाड़ा । सर्वधर्म सद्भाव और साम्प्रदायिक सदभाव के प्रतीक छिंदवाड़ा नगर में हनुमान जन्मोत्सव का पर्व सम्पूर्ण हर्षोल्लास के साथ समारोह पूर्वक मनाया जायेगा। इस अवसर पर भव्य गदा यात्रा निकाली जावेगी जो शहर के मुख्य मार्गों से होते हुये सिद्ध सिमरिया हनुमान मंदिर पहुंचेगी। छोटी बाजार में गदा पूजन के उपरांत विशाल गदा यात्रा सिमरिया धाम के लिये रवाना होगी। 6 अप्रैल को श्रीराम भक्त महाबली हनुमान जी के प्रकट उत्सव पर आयोजित गदा यात्रा के सफल आयोजन की रूपरेखा बनाने के लिये आज स्थानीय राजीव कांग्रेस भवन में कांग्रेस संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश, जिला, ब्लॉक, नगर व ग्रामीण के कांग्रेस पदाधिकारियों सहित कार्यकर्ताओं ने अपनी उपस्थिति देकर आयोजन में अपनी महती भूमिका को समझा। आयोजित बैठक में हनुमान जन्मोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम की रूपरेखा से कांग्रेस के समस्त पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को अवगत कराया। निकाली जाने वाली गदा यात्रा का शुभारंभ छोटी बाजार राम मंदिर से पूजा अर्चना के उपरांत होगा। राम मंदिर में सुंदरकांड पाठ व बड़ी माता मंदिर में पूजा अर्चना के पश्चायत गदा यात्रा अपने निर्धारित मार्ग से होते हुए सिमरिया धाम पहुंचेगी। कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराते हुए कांग्रेस धर्म उत्सव प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष आनंद बक्षी ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव पर निकाली जाने वाली विशाल गदा यात्रा के सम्बंध में विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए बताया कि छोटी बाजार में पूजा अर्चना के बाद बड़ी माता मंदिर में पूजन अर्चन कर गदा यात्रा प्रारम्भ की जावेगी। आयोजित गदा यात्रा राम लक्ष्मण जानकी, जय बोलो हनुमान की नारे से गूंजेगी।

श्रीराम भक्त हनुमान जी के जन्मोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम की रूपरेखा बनाने आयोजित बैठक को सांसद नकुलनाथ व पूर्व सीएम कमलनाथ के निज सचिव संजय श्रीवास्तव ने सम्बोधित करते हुये कहा कि भगवान हनुमान जी का जन्मोत्सव का आयोजन धार्मिक हो साथ ही स्वैच्छिक रूप से सहभागिता निभायें। जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे ने आयोजित कार्यक्रम के महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डालते हुये उपस्थिति पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी तय की। प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद तिवारी की उपस्थित में आयोजित बैठक को जतन उइके, श्रीमती किरण चौधरी, पंकज शुक्ला, सोनू मागो, संजय पुन्हार, अमित सक्सेना, एकलव्य यहके व अजय ठाकुर ने भी सम्बोधित किया।

सुनी सुनाई

रवीन्द्र जैन

भागवत की सभा पर पीएम की सुरक्षा भारी!

भोपाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सुरक्षा को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के समागम का स्थान बदलना पड़ा है। दरअसल मोहन भागवत 31 मार्च को भोपाल के लाल परेड ग्राउंड पर सिंधी समाज के समागम को संबोधित करने आ रहे हैं। इस

महाकुंभ में देश विदेश से एक लाख से अधिक सिंधी समाज के लोग आने वाले हैं। इस समागम के लिए काफी पहले से लाल परेड ग्राउंड की बुकिंग हो चुकी थी। अचानक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भी 1 अप्रेल को भोपाल आने का कार्यक्रम बन गया। वे मिंटो हॉल में भारतीय सेना के कार्यक्रम में शामिल होंगे। मोदी विमान से भोपाल एयरपोर्ट आएंगे। एयरपोर्ट से हेलीकाप्टर से लाल परेड ग्राउंड उतरकर मिंटो हॉल पहुंचेंगे। एसपीजी के आदेश पर राज्य सरकार ने डॉ. मोहन भागवत के कार्यक्रम की लाल परेड ग्राउंड की अनुमति रद्द कर दी है। अब यह कार्यक्रम भेल दशहरा मैदान पर होगा। शायद किसी भी राज्य में पहली बार ऐसा हो रहा होगा कि नरेन्द्र मोदी की सुरक्षा के कारण मोहन भागवत के कार्यक्रम का स्थान बदला जा रहा हो!

चर्चा में कृषि मंत्री कमल पटेल की 500 करोड़ की सम्पत्ति!

मप्र के कृषि मंत्री कमल पटेल की 500 करोड़ की सम्पत्ति पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बन गई है। दरअसल कमल पटेल के

ही एक पुराने कार्यकर्ता ने हरदा में कमल पटेल के खेतों और वेयरहाउसों के सामने खड़े होकर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए दावा किया है कि कमल पटेल की 500 करोड़ की सम्पत्ति सिर्फ हरदा में है। यह सम्पति गलत तरीकों से बनाई गई है। शिक्षक से आम आदमी पार्टी के नेता बने आनन्द जाट का परिवार कमल पटेल का समर्थक रहा है। कमल पटेल ने किसी बात को लेकर आनन्द जाट पर एफआईआर दर्ज कराकर उन्हें जेल भिजवा दिया था। जेल से छूटने के बाद आनन्द जाट ने पटेल परिवार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। वीडियो में आनन्द ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पूछा है कि कमल पटेल के यहां इन्कम टैक्स और ईडी की टीम कब भेजोगे?

एडीजी ने रिश्वत में लिये एसी, वाटरकूलर और फ्रिज!

मप्र पुलिस मुख्यालय में तैनात एक अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्तर के अफसर पर आरोप है कि उन्होंने कोरोना काल में पुलिस की खरीदारी के दौरान सप्लायर से अपने निजी बंगले के लिए कई एसी, वाटरकूलर और बड़ा सा फ्रिज बतौर रिश्वत न केवल लिया है, बल्कि सप्लायर ने इसकी डिलेवरी उनके गृहराज्य में बन रहे उनके शानदार बंगले में की है। एडीजी से नाराज पुलिस के ही कुछ अफसरों ने एक वकील के माध्यम से एडीजी के कार्यकाल में हुई खरीदी को लेकर पुलिस मुख्यालय में आरटीआई लगाने की तैयारी कर ली है। इन एडीजी के कथित भ्रष्टाचार को लेकर दो आरटीआई पहले भी लग चुकी हैं। यानि रिटायरमेंट के पहले एडीजी किसी बड़ी मुसीबत में फंसते दिख रहे हैं।

कांग्रेस आईटी सेल से चारों लड़कियों को हटाया

मप्र कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के बंगले पर संचालित कांग्रेस के आईटी सेल से अचानक चारों लड़कियों को हटाने का मुद्दा गर्म हो गया है। यह चारों लड़कियां अपना ब्राइट कैरियर छोड़कर लंबे समय से कांग्रेस के लिये काम कर रही थीं। संयोग से चारों लड़कियों के परिवार कई पीढ़ियों से कांग्रेस से जुड़े हैं। जिन लड़कियों को हटाया गया है, उनमें एक कांग्रेस विधायक की बेटी है, एक कांग्रेस जिलाध्यक्ष की सगी बहन है, एक प्रदेश कांग्रेस महासचिव की बेटी है और एक पन्ना में बीस वर्ष कांग्रेस जिलाध्यक्ष रहे व्यक्ति की पोती है। अचानक हटाये जाने से चारों लड़कियां स्वयं को ठगा सा महसूस कर रही हैं। यह भी खबर आ रही है कि आईटी सेल के चीफ ने कमलनाथ को बिना बताये इन्हें हटाने का फैसला किया है। चारों लड़कियों के परिजन इस फैसले से आग बबूला बताये जा रहे हैं।

मप्र की राजनीति में युवराज की एन्ट्री

मप्र की राजनीति में सबसे बड़े सिंधिया राजपरिवार के युवराज महाआर्यमन सिंधिया की एन्ट्री हो चुकी है। चर्चा है

कि वे अगला विधानसभा चुनाव ग्वालियर पूर्व सीट से लड़ सकते हैं। इस सीट को पिछले उपचुनाव में कांग्रेस ने भाजपा से छीन लिया था। इस सीट पर व्यापारियों की संख्या काफी है जिनका झुकाव महल की ओर से रहता है। फिलहाल इस सीट को युवराज के लिये सबसे सुरक्षित मानकर उनकी सक्रियता बढ़ा दी गई है। महाआर्यमन सिंधिया ग्वालियर में सरकारी व गैर सरकारी आयोजनों में शामिल होने लगे हैं। सिंधिया समर्थक मंत्री उन्हें पूरे सम्मान से मंच पर बिठा रहे हैं। जूनियर सिंधिया ने ग्वालियर के युवाओं से सीधा संवाद शुरु कर दिया है और वे राजनीति के दांवपेंचों को समझने की कोशिश भी कर रहे हैं। मप्र क्रिकेट एसोसिएशन में भी सदस्य के रूप में शामिल हो चुके हैं।

दो विधायकों की दुश्मनी अब दोस्ती में बदली

रमजान के पवित्र महीने में भोपाल में कांग्रेस के दोनों विधायकों आरिफ अकील और आरिफ मसूद ने 35 वर्ष की दुश्मनी खत्म करके दोस्ती का हाथ मिला लिया है। खास बात यह है कि इस दोस्ती के लिए वरिष्ठ विधायक आरिफ अकील

स्वयं चलकर आरिफ मसूद के घर पहुंचे। उनके पिता को हार पहनाया। बदले में आरिफ मसूद ने आरिफ अकील और उनके बेटे आतिफ अकील को गले लगाया। मजेदार बात यह भी है कि एक तसला मिट्टी बुलाई गई। दोनों विधायकों ने हाथ लगाकर इस मिट्टी को कोने में डालते हुए शपथ ली कि अब पुराने सभी विवादों पर मिट्टी डालकर दोस्ती की नई इबारत लिखेंगे। एक दूसरे से बात भी नहीं करने वाले यह दोनों विधायक अब आपको भोपाल में एक साथ नजर आएंगे। खबर है कि आरिफ अकील ने यह दोस्ती अपने बेटे की पहल पर की है। अकील के स्थान पर अगला चुनाव उनका बेटा लड़ना चाहता है।

भाजपा नेता राहुल कोठारी ने टीटी नगर दशहरा मैदान में आगामी दो अप्रैल से आयोजित भागवत कथा के संबंध में संवाददाताओं को जानकारी दी।

वन विहार नेशनल पार्क के लियो भालू की मौत

भोपाल। वन विहार नेशनल पार्क में आने वाले पशु प्रेमियों को अब लियो भालू नजर नहीं आएगा। लिया भालू की 22 वर्ष की उम्र में मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार लियो भालू के अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। इससे उसकी मौत हो गई। वन विहार नेशनल पार्क में रविवार-

सोमवार की रात लियो भालू ने अंतिम सांस ली।

उसका अंतिम संस्कार सोमवार को किया गया। भालू बीते आठ दिनों से बीमार था। उसका इलाज किया जा रहा था इसी बीच उसके अंगों ने काम करना बंद कर दिया, जिसके कारण मौत हुई है। पार्क के डिप्टी डायरेक्टर सुनील सिन्हा ने बताया कि अब पार्क में 19 भालू बचे हैं। इनमें से ज्यादातर उम्रदराज हैं। लियो भालू को वर्ष 2008 में बिहार से वनविहार लाया गया था। इस भालू की मृत्यु 26-27 मार्च की दरमियानी रात्रि में अत्याधिक वृद्धावस्था के कारण से हुई। यह भालू पिछले 1 हफ्ते से डॉक्टर्स की देखरेख में था। मृत्यु का प्रथम दृष्टया कारण वृद्धावस्था बताया गया। लियो भालू का पीएम डॉक्टर अतुल मिश्रा एवं डॉ कुलकर्णी के द्वारा किया गया तथा प्रोटोकॉल के अनुसार उसका दाह संस्कार किया गया।

इंदौर से अहमदाबाद सफर होगा महंगा

इंदौर। इंदौर-अहमदाबाद, इंदौर-देवास और देवास-ब्यावरा के बीच सफर महंगा होने वाला है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने 1 अप्रैल से लागू होने वाले टोल रेट की घोषणा कर दी है। इंदौर-देवास रूट पर उन कार चालकों को राहत रहेगी, जो एबी रोड पर मांगलिया स्थित टोल से गुजरेंगे। हालांकि बस या ट्रक के लिए 5 रुपए टोल बढ़ाकर 65 रुपए कर दिया है। इंदौर-देवास बायपास पर बने टोल पर कार के अब 65 रुपए लगेंगे और बस या ट्रक को 220 रुपए चुकाने होंगे।।इंदौर-अहमदाबाद रूट पर मेहतवाड़ा टोल पर कार के 160 और ट्रक/ बस के लिए 505 रुपए लगेंगे। वहीं, दत्तीगांव टोल पर कार या जीप के लिए 140 रुपए और ट्रक या बस के लिए 445 रुपए लगेंगे। देवास से आगे ब्यावरा जाने के लिए अब छपरा और रोजवास दोनों टोल पर मिलाकर कार के 235 रुपए लगेंगे। नए रेट 1 अप्रैल से वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए लागू होंगे। जुलाई में इंदौर-खलघाट टोल की दरें बढ़ाई जाएंगी और अक्टूबर में इंदौर-उज्जैन दरें बदली जाती हैं।

मार्च में सबसे कम गर्मी, 34 डिग्री पर ठहरा पारा

भोपाल। मध्यप्रदेश में पिछले 10 साल के मुकाबले इस साल मार्च महीने में गर्मी से राहत है। अब आखिरी सप्ताह में भी तेज गर्मी की उम्मीद नहीं है। प्रदेश के चारों बड़े शहरों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में तापमान 32 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच है। इससे पहले फरवरी महीने में तेज गर्मी पड़ना शुरू हो गई थी। अनुमान लगाया जा रहा था कि इस बार मार्च महीने में भीषण गर्मी पड़ेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

आमतौर पर मार्च महीने में होली के बाद गर्मी शुरू हो जाती है। पिछले 10 साल के आंकड़ों पर नजर डालें, तो अमूमन मार्च के आखिरी सप्ताह में चारों बड़े शहरों में तेज गर्मी पड़ी भी है। जबलपुर में और भोपाल-ग्वालियर में टेंप्रेचर 41 डिग्री सेल्सियस, तो इंदौर में 40 डिग्री तक चला गया था।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मार्च में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के एक्टिव होने से मौसम में

ठंडक घुली रही। ओले गिरे और बारिश भी हुई। अब आखिरी सप्ताह में तापमान बढ़ने की संभावना कम ही है, क्योंकि एक और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हो रहा है। इससे गर्मी से बड़ी राहत मिलेगी।तापमान में बढ़ोतरी की संभावना इसलिए कम मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि पिछले वर्षों में फरवरी में पश्चिमी विक्षोभ के कारण तापमान उतना नहीं बढ़ पाता था, लेकिन इस बार असर उल्टा रहा। फरवरी में इसका असर कम रहा। इस कारण दिन का तापमान बढ़ गया था। मार्च में भी लगातार पश्चिमी विक्षोभ आ रहे हैं, जो स्ट्रॉन्ग भी है। पिछले दो सिस्टम का असर 8 से 10 दिन तक रहा। इसके अलावा, नम हवाएं आने से भी मौसम बदला रहा। इस कारण तापमान नहीं बढ़ पाया। चूंकि, 30 मार्च से फिर पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हो रहा है, इसलिए तापमान बढ़ने के आसार कम ही हैं।

दो साल पहले तापमान 41 डिग्री तक पहुंचा था

भोपाल में पिछले 10 साल में एक बार ही पारा 41 डिग्री तक पहुंचा है। वर्ष 2021 में 30 मार्च को तापमान 41 डिग्री रहा था। बाकी वर्षों में तापमान इससे कम ही रहा। 23-29 मार्च 2013 और 31 मार्च 2020 को तापमान सबसे कम 36.4 डिग्री रहा था।

राजगढ़-दमोह में ही सबसे ज्यादा तापमान

वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर खत्म होने के बाद सोमवार को कुछ शहरों में दिन के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिली। हालांकि, किसी भी शहर में पारा 40 डिग्री या इससे ज्यादा पर नहीं पहुंच सका। राजगढ़ में तापमान 38 डिग्री पर जाकर रुक गया। वहीं, दमोह, नर्मदापुरम और खरगोन में तापमान 36 डिग्री के आसपास रहा। रतलाम, उमरिया, खंडवा, धार, मंडला, सीधी समेत अन्य शहरों में पारा 35 डिग्री के नीचे ही रहा है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इन शहरों में मंगलवार-बुधवार को एक-दो डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। 30 मार्च से फिर टेंप्रेचर में हल्की गिरावट होगी।

नवरात्र के दौरान अब तक ढाई हजार से ज्यादा रजिस्ट्रियां हुईं

भोपाल। चैत्र नवरात्र के साथ ही इस बार वित्तीय वर्ष खत्म होगा। इस वजह से नवरात्र के इन दिनों में प्रापर्टी की रिकार्ड खरीदी-बिक्री हो रही है। नवरात्र के छह दिन में 3,190 दस्तावेज पंजीकृत किए गए हैं। जिनमें ढाई हजार रजिस्ट्रियां है और 619 अन्य दस्तावेज शामिल हैं। इस तरह लगभग 20 करोड़ का राजस्व भी प्राप्त हुआ है। पंजीयन कार्यालयों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए स्लाट की संख्या बढ़ाकर 55 से 75 कर दी गई है और कार्यालय का समय भी बढ़ा दिया गया है। बता दें कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए बनाई गई नई कलेक्टर गाइडलाइन में शहर के 3918 स्थानों में से 733 स्थानों पर पांच से 25 प्रतिशत तक दरों में वृद्धि प्रस्तावित की गई है। नई दरें एक अप्रैल से जिले में लागू हो जाएंगी, जिससे प्रापर्टी खरीदने के साथ ही रजिस्ट्री कराना भी महंगा हो जाएगा।

साढ़े सात बजे तक खुले कार्यालय, हुई 600 रजिस्ट्रियां

नवरात्र में लोग अपनी प्रापर्टी की जमकर रजिस्ट्री करा रहे हैं। छह दिनों में ही ढाई हजार से अधिक रजिस्ट्रयां सहित अन्य दस्तावेज पंजीकृत कराए जा चुके हैं। नवरात्र के छठवें दिन सोमवार को हालात यह रहे कि बढ़ती भीड़ को देख परी बाजार और आइएसबीटी स्थित पंजीयन कार्यालयों का समय साढ़े सात बजे तक कर दिया गया। सोमवार को 600 से अधिक रजिस्ट्रियां दर्ज हुई और लगभग पांच करोड़ से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है।

जहां बढ़ेंगी दरें, वहां जमकर हो रही रजिस्ट्रियां

नई गाइडलाइन में शहर के आसपास के प्रमुख स्थानों पर प्रापर्टी की दरें प्रस्तावित की गई हैं। इनमें लांबाखेड़ा, बैरसिया रोड, इंदौर रोड, परवलिया, अयोध्या बायपास, समरधा, कटारा हिल्स, लहारपुर, कोलार रोड, रातीबड़, नर्मदापुरम रोड के स्थान शामिल हैं। इन्हीं प्रमुख जगह के स्थानों पर पांच से 25 प्रतिशत तक दरों में वृद्धि होना है। इसी के चलते इन्हीं क्षेत्रों में 50 प्रतिशत से अधिक प्रापर्टी की रजिस्ट्रियां हो रही हैं। नवरात्र के साथ ही वित्तीय वर्ष 2022-23 के अंतिम चार दिनों में पंजीयन अधिकारियों को चार हजार रजिस्ट्रियां होने के साथ ही 20 करोड़ से अधिक राजस्व आने की उम्मीद है। इसी के चलते कार्यालयों का समय बढ़ाने के साथ ही स्लाट की संख्या भी बढ़ा दी गई है। एक उप पंजीयक ने बताया कि सर्वर डाउन नहीं हुआ तो बड़ा रिकार्ड बनेगा। हालांकि दोपहर के समय थोड़ी दिक्कत होती है, लेकिन बाद में सही हो जाती है।

आज स्मार्ट सिटी स्थित कंट्रोल रूम मे 卐महिला महापौर हेल्पलाइन卐का निरीक्षण किया शिकायतों का निरीक्षण किया एवम लाभार्थियों से फीड बैक लिया अधिकारियों को 24 घंटे मे समस्या हल करने आदेशित किया गोविंदपुरा।

भोपाल, इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग में गेहूं की खरीदी स्थगित

भोपाल। इंदौर, भोपाल, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग में गेहूं की खरीदी स्थगित कर दी गई है। इस संबंध में जारी आदेश के अनुसार 28 मार्च से 31 मार्च तक गेहूं की खरीदी स्थगित की गई है। बताया गया कि खरीदी केंद्रों पर नमी वाला गेहूं पहुंच रहा था। इस वजह से खरीदी को स्थगित करना पड़ा है।अधिकारियों के अनुसार नमी वाले गेहूं के कारण गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं हो पा रहा था।

गेहूं की खरीदी 25 मार्च से आरंभ की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि गेहूं की खरीदी स्थगित करने के संबंध में राज्य शासन ने आदेश जारी कर दिए हैं। हाल में मध्य प्रदेश के अनेक जिलों में असामयिक बारिश और ओलावृष्टि के कारण गेहूं की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। अब जारी आदेश के अनुसार ई उपार्जन पोर्टल पर पंजीकृत किसानों के संबंधित अवधि में गेहूं बेचने के लिए किए गए स्लाट बुकिंग को भी निरस्त कर दिया है। अब किसान अपनी सुविधा से फिर स्लाट बुक कर सकते हैं।

तीनों सेनाओं की 'रण'नीति बनाने भोपाल में होगा उच्चस्तरीय मंथन

भोपाल। तीनों सेना की 'रण'नीति बनाने के लिए जल, थल और वायु सेना के प्रमुख और चीफ डिफेंस स्टॉफ (सीडीएस) 4 दिनों के लिए भोपाल में डेरा डाल रहे हैं। 30 मार्च से 1 अप्रैल तक 3 दिनों में यहां तीनों सेनाओं की कमांडर कॉन्फ्रेंस में भविष्य के युद्ध से निपटने का ब्लू प्रिंट तैयार होगा। पहला मौका है जब ये कॉन्फ्रेंस दिल्ली से बाहर किसी दूसरे शहर में हो रही है। 1 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यहां सैन्य कमांडरों के साथ बैठक करेंगे। इसी बैठक में फ्यूचर वॉर से निपटने के लिए सेना की रणनीति को अंतिम रूप मिलेगा।

आम लोग भी यहां सेना के शौर्य को निहार सकेंगे। इसके लिए मिंटो हॉल के बाहर मोतीलाल नेहरू विज्ञान महाविद्यालय के ग्राउंड में तीनों सेनाओं ने अपने अपने सैन्य उपकरण प्रदर्शित करने की तैयारी पूरी कर ली है। संभवत- 29 मार्च से इसे आम लोगों के लिए खोला जाएगा। यहां आप ये देख सकेंगे कि भारतीय सेना कितनी ताकतवर है। इस प्रदर्शनी में बोफोर्स गन, मिसाइल लॉन्चर और टैंक के अलावा युद्ध में उपयोग किए गए हथियार भी दिखाए जाएंगे। प्रदर्शनी स्थल पर टैंक और दूसरे गैजेट

पहुंचने शुरू हो गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी तो 1 अप्रैल को आएंगे, लेकिन तीनों सेनाओं के प्रमुख यहां 29 मार्च को आमद दे देंगे। 30 को तीनों सेनाओं के प्रमुख सहित सैन्य कमांडरों को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान संबोधित करेंगे।

इसके अगले दिन रक्षामंत्री राजनाथ सिंह सीडीएस व तीनों सेनाओं के प्रमुख सहित सैन्य कमांडरों को संबोधित करेंगे। तीनों सेनाओं के प्रमुखों से रणनीतिक मामलों पर भी चर्चा करेंगे। सैन्य कमांडरों की कॉन्फ्रेंस हर साल दिल्ली में होती है। माना जाता है कि इसी कॉन्फ्रेंस में तय होता है कि हमारी सेना किस तरह से अपनी तैयारी रखेगी। दैनिक भास्कर ने रिटायर्ड सैन्य अधिकारियों से बातचीत कर समझा कि आखिर इस कॉन्फ्रेंस के क्या मायने हैं? इसमें किन मुद्दों पर चर्चा होती है?

पड़ोसी देशों के साथ सेना की रणनीति के प्रजेंटेशन- रिटायर्ड सैन्य अधिकारियों ने बताया कि पड़ोसी देशों खासकर पाकिस्तान, चीन, अफगानिस्तान और नेपाल के साथ जिन मुद्दों को लेकर मतभेद है, उन पर बात होगी। जानकारों का कहना है कि डोकलाम के बाद चीन की रणनीति से निपटना भारतीय सेना के केंद्र में है। चीन को जवाब देने के लिए बनाई गई रणनीति को यहां अंतिम रूप दिया जाएगा। हालांकि ये भी तय है कि जो भी निर्णय होंगे वे देश की सुरक्षा के लिए बेहद अहम होते हैं, इन्हें गोपनीय रखा जाता है, लेकिन ये तय है कि सेना के एजेंडे में क्या मुद्दे होंगे? इसके अलावा नॉर्थ ईस्ट में आर्म्ड फोर्स स्पेशल एक्ट पर भी बात होगी।

रूस और यूक्रेन वॉर ने सोचने पर किया मजबूर

रिटायर्ड मेजर जनरल पीके सहगल कहते हैं कि तीनों सेनाओं की ये कॉन्फ्रेंस बेहद अहम है। आमतौर पर सेना 7 से 10 दिन के युद्ध के लिए तैयार होती है, लेकिन रूस और यूक्रेन वॉर जितनी लंबी चल रही है, इससे हमें नए सिरे से रणनीति बनाने की जरूरत महसूस हो रही है। ये बड़ी चुनौती है कि लंबे समय तक चलने वाले युद्ध में हमारी रणनीति क्या होगी?

अग्निवीर को लेकर सरकार को जिस तरह के फीडबैक मिले हैं, उस पर नए सिरे से चर्चा हो सकती है। कुछ दूसरे सुरक्षा बलों आईटीबीपी, बीएसएफ में भी अग्निवीरों को रियायत देने पर बातचीत होने की उम्मीद है।

सहगल कहते हैं कि वायु सेना के पुराने विमान हमारे लिए चिंता का विषय हैं। अब तक हर साल 8 नए विमान बन रहे हैं, इनकी कैपेसिटी बढ़ाने पर बात होगी। इसके अलावा सेना के लिए एकीकृत खरीद प्रणाली पर भी कोई निर्णय होने की उम्मीद है।